आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 122 | उज्जैन, बुधवार 26 मार्च 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रुपया

व्यापार वचन से होता है,व्यापार में कमिटमेंट का सर्वाधिक महत्व है

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने 1127 करोड़ की लागत की औद्योगिक इकाइयों का लोकार्पण-भूमिपूजन किया

हिन्दकुश.इन उज्जैन। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा कि बाबा महाकाल की कृपा से देश प्रदेश में समृद्धि बरस रही है।सम्राट विक्रमादित्य की गौरवशाली नगरी उज्जयिनी में प्रथम रीजनल इंडस्ट्रियल समिट का आयोजन हुआ था।उसकी सफलता के बाद 7 अन्य इंडस्ट्रियल समिट सफलतापूर्वक आयोजित की गई। इंडस्ट्रियल समिट में प्राप्त निवेश प्रस्तावों को धरातल पर उतारकर प्रदेश में नई औद्योगिक इकाइयां स्थापित की जा रही हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के विजन %विकसित भारत% को साकार करने प्रदेश में 1127.24 करोड़ रुपए के निवेश से 26 विभिन्न औद्योगिक परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण कर विकास का एक नया इतिहास लिखा जा रहा है। यह परियोजनाएं उज्जैन को एक नया औद्योगिक आयाम प्रदान करेंगी, जिससे क्षेत्र का औद्योगिक और आर्थिक विकास होगा। इन इकाईयों से हमारे लगभग 5046 युवाओं को रोजगार प्राप्त हो सकेगा।स्वच्छ भारत की परिकल्पना को समाहित कर प्रदेश में स्थित भारत के सबसे स्वच्छ औद्योगिक पार्क विक्रम औद्योगिक पूरी में 28 करोड़ रुपए की लागत से नवनिर्मित अत्याधुनिक सामान्य अपशिष्ट जल उपचार संयंत्र (ष्टश्वञ्जक्क) का लोकार्पण भी किया गया है। यह उद्बोधन मुख्यमंत्री डॉ यादव ने विक्रम व्यापार मेला में उज्जैन इंजीनियरिंग कॉलेज के मैदान में आयोजित कार्यक्रम में दिया।

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि व्यापार वचन से होता है,व्यापार में कमिटमेंट का सर्वाधिक महत्व है।मध्य प्रदेश सरकार औद्योगिकरण और व्यापार को बढ़ावा देने के लिए दिए गए वचनों को पूरा करने को संपूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है।कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ यादव ने सिंगल क्लिक से प्रदेश की 73 औद्योगिक इकाइयों को 441 करोड़ की निवेश प्रोत्साहन राशि भी प्रदान की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के आशीर्वाद से प्रदेश को नंबर 1 बनायेंगे। इसके लिए प्रदेश में यह वर्ष उद्योग और रोजगार वर्ष घोषित किया गया है। हमने प्रदेश की अर्थव्यवस्था को गति देने का जो सपना देखा है, वो धरातल पर उतर रहा है।

मेट्रोपॉलिटन सिटी बनाने की कार्ययोजना

व्यापार को बढ़ावा देने के लिए उज्जैन ,इंदौर ,देवास, धार,शाजापुर जिलों को मिलाकर एक नए मेट्रोपॉलिटन सिटी बनाने की कार्ययोजना पर कार्य किया जा रहा है। इसी क्रम में भोपाल ,नर्मदापुरम ,रायसेन और विदिशा को भी मेट्रोपॉलिटन सिटी बनाया जाएगा।जबलपुर और ग्वालियर और उनके आस पास के जिलों का भी विकास मेट्रोपॉलिटन सिटी के रूप में भविष्य में किया जाएगा। इससे व्यापार और निवेश को प्रोत्साहन मिलेगा।

विक्रम व्यापार मेले का आयोजन

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि उज्जैन में विक्रमोत्सव 2025 का आयोजन भी किया जा रहा है। विक्रम व्यापार मेले में भी व्यापार व्यापक स्तर पर हो रहा है और बहुत अधिक संख्या में गाड़िया बिक रही है। अगले कुछ वर्षों में हम बड़े स्तर पर सिंहस्थ 2028 महापर्व का भी आयोजन करेंगे।आस्था का ये महाकुंभ अर्थव्यवस्था को गति देने में इतिहास लिखेगा और उज्जैन को प्रमुख वैश्विक धार्मिक पर्यटन स्थल के रूप में स्थापित करेगा। इस वर्ष 4 लाख 21 हजार करोड़ रुपए का बजट प्रस्तुत किया गया है। बजट में सिंहस्थ के लिए 2 हजार करोड़ से अधिक का प्रावधान किया है जो आधारभूत संरचनाओं का निर्माण करने के कार्य के लिए है।लाडली बहना हमारे प्रदेश का गौरव है,बजट में लाडली बहनों का विशेष ध्यान रखा गया है।मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि उज्जैन में अमूल द्वारा दूध प्रसंस्करण का कारखाना भी स्थापित किया गया है। प्रदेश की सांची डेयरी को भी अमूल की तर्ज पर विकसित कर सांची को हम प्रदेश की पहचान बनाएंगे। उज्जैन में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा श्री महाकाल महालोक बनाए जाने के बाद धार्मिक पर्यटन में अत्यधिक वृद्धि हुई है। 2022 से अभी तक जिले में 60 करोड़ से अधिक धार्मिक पर्यटक आए है जिससे जिले में होटल व्यवसाय ने भी बहुत तरक्की की है। इस प्रकार उद्योग के साथ आध्यात्मिक विकास का भी ध्यान रखा जा रहा है।

ग्लोबल इन्वेस्टर समिट 2025 का सफल आयोजन

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में भोपाल में 24-25 फरवरी को ग्लोबल इन्वेस्टर समिट 2025 का सफल आयोजन किया। इस दौरान प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा 18 नई औद्योगिक नीतियों की घोषणा हुई।समिट के दौरान, 70 से अधिक प्रमुख उद्योगपतियों के साथ वन-टू-वन मीटिंग हुई और समिट से प्रदेश को 26.61 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए, जो 17 लाख से अधिक लोगों को रोजगार देने का अवसर प्रदान करेंगे। ग्लोबल इन्वेस्टर समिट में प्राप्त निवेश प्रस्तावों को धरातल पर लाने के लिए विगत एक माह में 19 नवीन औद्योगिक इकाइयों को 315 हैक्टेयर भूमि आवंटित की गई है। प्रदेश को 9168 करोड़ रुपए का निवेश प्राप्त हो चुका है और इससे 13000 से अधिक युवाओं को रोजगार प्राप्त होगा।

नारीशक्ति और सभी के कल्याण पर विशेष ध्यान

यह हमारे लिए गर्व की बात है कि मध्यप्रदेश अब औद्योगिक दृष्टि से अग्रणी राज्य के रूप में पहचाना जा रहा है। सरकार प्रदेश का चहुमुखी विकास कर रही है। प्रदेश में युवाओं,अन्नदाताओं,नारीशक्ति और सभी के कल्याण पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। प्रदेश के चंबल क्षेत्र में भी औद्योगिक विकास किया जा रहा है,अब वहां बंदूकों की आवाज की जगह ,औद्योगिक मशीनों की आवाज सुनाई दे रही है।झाबुआ में मेडिकल कॉलेज प्रारंभ किया जा रहा है। इसी के साथ किसान भाइयों के लिए और दूध उत्पादन बढ़ाने विक्रम विश्वविद्यालय में प्रदेश का पहला डेयरी टेक्नोलॉजी कोर्स शुरू किया जा रहा है।

एक निवेश केंद्र के रूप में प्रस्तुत

यूके, जर्मनी और जापान यात्राओं में प्रदेश को एक निवेश केंद्र के रूप में प्रस्तुत किया गया, वहां से मिले समर्थन और निवेशकों की इच्छाओं को देखकर हमें यह विश्वास हुआ कि मध्यप्रदेश अब वैश्विक स्तर पर एक प्रमुख निवेश गंतव्य बन चुका है।

मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव का उज्जैन में 5 हजार से अधिक लोगो ने किया शानदार स्वागत अभिनंदन

100 किलो से अधिक वजन की माला पहनाकर मुख्यमंत्री का अभिनंदन किया

उज्जैन। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव का आज उनके जन्मदिन पर 5 हजार से अधिक लोगों ने सामूहिक रूप से स्वागत अभिनंदन किया,

चिंतामन गणेश मंदिर स्थित महाकाल परिसर में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ यादव का बड़े समूह में आए लोगों में स्वागत अभिनंदन किया।

इसमें बड़ी संख्या में महिला, बच्चे ,पुरुष सम्मिलित हुए ,कार्यक्रम मे विशेष अतिथि के रूप में प्रभारी मंत्री श्री गौतम टेटवाल, पूर्व केंद्रीय मंत्री श्री सत्यनारायण जटिया, विधायक श्री अनिल जैन कालू हेड़ा, विधायक श्री तेज बहादुर नगर निगम सभापति श्री मति कलावती यादव , श्री संजय अग्रवाल,श्री राजेश धाकड़ और अन्य जन प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ महोदय यादव ने आम जनता का धन्यवाद दिया और कहा कि आपके प्यार के बिना सब कुछ अधूरा सा लगता है आपसे मिले बिना जी नहीं भरता है, इसलिए मैं दौड़ के आपके पास चला आता हूं ।

उज्जैन की भूमि पर उद्योगों की बयार आने लगी है आज हमने 12 सौ करोड़ से अधिक के उद्योग को लगाने के लिए भूमि पूजन और लोकार्पण किया है इसमें 5000 से अधिक लोगों को रोजगार उपलब्ध होगा और आने वाले समय में कई लाख करोड़ से अधिक का निवेश हमारे मध्य प्रदेश की भूमि पर आने वाला है।

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हम विकास के नये आयाम स्थापित कर रहे हैं ,लगातार प्रयास से हम सफलता पा रहे हैं, रिजनाल् इंवेस्मेंट सम्मिट से हमें रोजगार के नये अवसर मिल रहे है. विकास की रफ्तार अब नहीं रुकेगी ,लगातार चलती रहेगी।

अदालत को ही धोखा दे रहे, पेंशन योजना लागू नहीं करने पर सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब सरकार को लगाई फटकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को पंजाब में 1996 की पेंशन लाभ योजना को लागू करने में पंजाब सरकार की निष्क्रियता पर कड़ी आपत्ति व्यक्त की। जस्टिस अभय एस. ओका और उज्जल भुइयां की पीठ ने कहा कि अगर राज्य सरकार इस योजना को लागू करने में विफल रही तो अदालत खुद लाभार्थियों को मौद्रिक लाभ प्रदान करेगी।

कोर्ट ने कहा कि कई मौकों पर आश्वासन देने के बावजूद पंजाब सरकार इस संबंध में कार्रवाई करने में विफल रही है। जस्टिस ओका ने नाराजगी जताते हुए कहा, राज्य को इसका जवाब देना चाहिए। हम इस बात को नजरअंदाज नहीं कर सकते कि राज्य सरकारें अदालतों के साथ कैसा व्यवहार कर रही हैं।

1 अप्रैल को होगी अगली सुनवाई- अदालत ने कहा कि हम इस बात को दर्ज करेंगे कि राज्य के किसी भी अधिकारी पर भरोसा नहीं किया जा सकता। राज्य ने अदालत को धोखा दिया है। दलीलें सुनने के बाद अदालत ने पंजाब की ओर से पेश वकील को प्रदेश सरकार से निर्देश लेने का आदेश दिया और मामले की अगली सुनवाई एक अप्रैल तय की। शीर्ष अदालत ने इस वर्ष पांच मार्च को पंजाब के मुख्य सचिव को 1996 की पेंशन लाभ योजना को लागू करने में विफल रहने और इसे लागू करने की वचनबद्धता का उल्लंघन करने के लिए अवमानना नोटिस जारी किया था।

शीर्ष अदालत पंजाब प्राइवेटली मैनेज्ड एफिलिएटेड एंड पंजाब गवर्नमेंट एडेड कॉलेजेस पेंशनरी बेनिफिट्स स्कीम, 1996 को लागू नहीं करने को लेकर एक याचिका पर सुनवाई कर रही थी।

भारत से हमें खतरा, चुनाव में दे सकता दखल; कनाडा ने लगाया आरोप, विदेश मंत्रालय पहले ही दे चुका मुंहतोड़ जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। कनाडा में प्रधानमंत्री बदल गया, लेकिन भारत के खिलाफ आग उगलना आज भी जारी है। अब कनाडा ने भारत पर फिर से बेबुनियाद आरोप लगाए हैं। कनाडा की खुफिया एजेंसी ने कहा कि भारत और चीन उसके आगामी आम चुनाव में हस्तक्षेप करने की कोशिश कर सकते हैं। यह आरोप दोनों देशों के साथ उसके बिगड़ते संबंधों के बीच आया है।

खुफिया एजेंसी ने लगाए आरोप- 28 अप्रैल को होने वाले चुनाव पर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए कनाडाई सुरक्षा खुफिया सेवा में संचालन की उप निदेशक वैनेसा लॉयड ने कहा कि कुछ दुश्मन चुनावों में हस्तक्षेप करने के लिए,ढ्ढ का तेजी से लाभ उठा रहे हैं, जिसका जिक्र नए प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने की थी।

भारत और चीन कर सकते चुनाव में हस्तक्षेप - वैनेसा लॉयड ने कहा कि इस बात की बहुत अधिक संभावना है कि PRC (पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना) इस मौजूदा चुनाव में कनाडा की लोकतांत्रिक प्रक्रिया में हस्तक्षेप करने के लिए AI-सक्षम उपकरणों का उपयोग करेगा। लॉयड ने आगे कहा कि चीन अपने हितों के अनुकूल कई नेरेटिव को बढ़ावा देने के लिए सोशल मीडिया का इस्तेमाल कर सकता है। लॉयड ने आगे कहा कि चीन कनाडा में चीनी जातीय, सांस्कृतिक और धार्मिक समुदायों को भ्रामक साधनों का उपयोग करके लक्षित करता है।

भारत के पास मंशा और क्षमता दोनों- लॉयद ने चुनाव में हस्तक्षेप के आरोप भारत पर भी लगाए। उन्होंने कहा कि हमने यह भी देखा है कि भारत सरकार के पास अपने भू-राजनीतिक प्रभाव को स्थापित करने के लिए कनाडाई समुदायों और लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में हस्तक्षेप करने की मंशा और क्षमता दोनों है।

जनवरी में भारत ने ओटावा के चुनावों में कुछ विदेशी सरकारों द्वारा हस्तक्षेप के कनाडाई आयोग की रिपोर्ट द्वारा लगाए गए आरोपों को खारिज कर दिया था। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में भारत के आंतरिक मामलों में कनाडा के हस्तक्षेप पर भी पलटवार किया था।

सफेद साड़ी, काला कोट और चप्पल... लंदन की सड़कों पर जॉगिंग करती नजर आई ममता बनर्जी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी लंदन के हाइड पार्क में सफेद साड़ी और चप्पल पहने जॉगिंग करती नजर आई। उनक ये सादगी भरा लुक सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

तृणमूल कांग्रेस के कुणाल घोष ने ममता बनर्जी की लंदन यात्रा की कई फोटोज और वीडियो शेयर किए, जिनमें मुख्यमंत्री को बकिंघम पैलेस से हाइड पार्क तक लंदन में घूमते हुए देखा जा सकता है। वह शहर की खूबसूरती का आनंद ले रही हैं, इस दौरान उनके साथ अन्य अधिकारी भी नजर आए।

ममता का सादगी भरा लुक- उनके लुक की अगर बात करें तो उन्होंने हरे रंग की बॉर्डर वाली सफेद सूती साड़ी, काला कोट और अपनी खास सफेद चप्पल पहनी थी। साथ ही लंदन के ठंडे मौसम से बचने के लिए उन्होंने काले रंग का कार्डिगन और शॉल पहना।

एक्स पर ममता बनर्जी को लेकर एक पोस्ट शेयर करते हुए, टीएमसी के कुणाल घोष ने लिखा, मुख्यमंत्री के अनुसार, आज यह सैर नहीं, बल्कि वार्म-अप है। ममता बनर्जी को चलते हुए और ताली बजाते हुए भी देखा गया।

ये पहली बार नहीं है जब ममता बनर्जी को जॉगिंग करते देखा गया, इससे पहले भी उन्हें कई बार जॉगिंग करते देखे जा सकता है। 2023 में स्पेन की अपनी आधिकारिक यात्रा के दौरान, मुख्यमंत्री ने मैड्रिड में भी एक ताजगी भरी सुबह बिताई थी।

सेमिनार में लेंगी हिस्सा- बंगाल में निवेश लाने के लिए आज ममता बनर्जी यूके इंडिया बिजनेस काउंसिल, फिक्की और डब्ल्यूबीआईडीसी द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित सेमिनार में हिस्सा लेंगी। उनके साथ 15 सदस्यीय बिजनेस डेलिगेशन भी इस सेमिनार में हिस्सा लेने लंदन गया है।

अमेरिकी उपराष्ट्रपति की पत्नी के ग्रीनलैंड दौरे को लेकर बवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका की द्वितीय महिला उषा वेंस के ग्रीनलैंड दौरे को लेकर विवाद पैदा हो गया। दरअसल उपराष्टपति जेडी वेंस की पत्नी उषा वेंस ने रविवार को एलान किया कि वह इस हफ्ते ग्रीनलैंड की राष्ट्रीय डॉगस्लेड रेस, अवन्नाटा क्यूमुसेर्सु देखने जाएंगी और देश की सुंदर भूमि, संस्कृति और परंपराओं के बारे में जानेंगी।

उनके इस एलान को लेकर डेनमार्क के राज्य प्रमुख ने कहा है कि उनके प्रस्तावित दौरे से बड़ी गड़बड़ी होगी।ग्रीनलैंड के प्रधानमंत्री म्यूटे बोरुप एगेडे ने उनकी इस यात्रा का एकमात्र उद्देश्य शक्ति प्रदर्शन करना है। इससे हालात बिगड़ सकते हैं। प्रधानमंत्री एगेडे ने उषा वेंस की इस विजिट का बायकॉट करने का फैसला किया है। उन्होंने इस हाई प्रोफाइल विजिट को उकसाने वाला बताया है।

क्या है इस यात्रा का उद्देश्य- ग्रीनलैंड के कार्यालय के अनुसार, इस यात्रा का उद्देश्य ग्रीनलैंडिक संस्कृति और एकता का जश्न मनाना है, तथा वेंस और अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल इस प्रतिष्ठित दौड़ का अनुभव करने के लिए उत्सुक हैं, जिसमें 37 मशर और 444 कुत्ते भाग लेते हैं।

भारतीय अमेरिकी द्वितीय महिला ने खुद को एक सांस्कृतिक राजदूत के रूप में प्रस्तुत किया।

क्या भारत में बढ़ेंगे तेल के दाम? ट्रंप ने वेनेजुएला से ऑयल खरीदने वाले देशों पर लगाया 25 फीसदी टैरिफ

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के राष्टपति डोनाल्ड ट्रंप ने वेनेजुएला से तेल और गैस खरीदने वाले देशों पर भारी टैरिफ लगाने का एलान किया है। इन देशों पर ट्रंप 25 फीसद टैरिफ दो अप्रैल से लगाएंगे। हालांकि अमेरिकी तेल उत्पादक कंपनी शेवरॉन को थोड़ी राहत दी गई है।

ट्रंप प्रशासन ने कपनी को वेनेजुएला में अपना कामकाज बंद करने की आखिरी तारीख बढ़ा दी है। पहले अमेरिका के ट्रेजरी विभाग ने कंपनी को 30 दिन का समय दिया था। वेनेजुएला से तेल खरीदने वाले देशों पर टैरिफ के एलान से भारत और चीन जैसे देश प्रभावित हो सकते हैं।

वेनेजुएला की सरकार ने कहा कि वेनेजुएला अमेरिकी राष्टपति डोनाल्ड ट्रंप के नए आक्रमण को दृढ़ता से और स्पष्ट रूप से अस्वीकार करता है। यह वेनेजुएला से तेल और गैस खरीदने वाले किसी भी देश पर 25 फीसद द्वितीयक टैरिफ लगाने का इरादा रखता है। यह मनमाना, अवैध और हताश करने वाला उपाय है।

डोनाल्ड ट्रंप ने क्या कहा- डोनाल्ड ट्रंप ने अपने ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में लिखा कि वेनेजुएला के तेल के खरीदारों पर लगाया जाने वाला द्वितीयक टैरिफ 2 अप्रैल से लागू होगा।

अलमारी से गिरने लगा सामान, घूमने लगी लकड़ी की मेज; भूकंप के तेज झटकों से कांपा न्यूजीलैंड

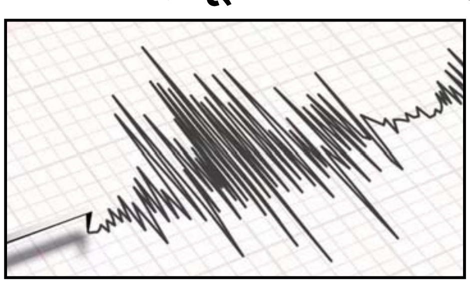

नई दिल्ली (एजेंसी)। भूकंप के तेज झटकों से न्यूजीलैंड हिल उठा। अधिकारियों के मुताबिक न्यूजीलैंड के दक्षिणी द्वीप पर लोगों ने तेज झटकों को महसूस किया। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 6.7 मापी गई। अब न्यूजीलैंड की आपदा एजेंसी ने यह आकलन लगाने में जुटी है कि क्या सुनामी का कोई खतरा है या नहीं।

उल्लेखनीय है कि न्यूजीलैंड भूकंपीय रूप से सक्रिय रिंग ऑफ फायर पर बसा है। रिंग ऑफ फायर लगभग 40000 किलोमीटर का एक घेरा है। यह प्रशांत महासागर के अधिकांश भाग को घेरने वाले ज्वालामुखियों और समुद्री खाइयों से भरा है।

समुद्र से दूर रहने की अपील- नेशनल इमरजेंसी मैनेजमेंट एजेंसी ने साउथलैंड और फियोर्डलैंड क्षेत्रों के लोगों को समुद्र तटों और समुद्री क्षेत्रों से दूर रहने की सलाह दी है। एजेंसी का कहना है कि समुद्र की असामान्य धाराएं खतरा बन सकती हैं। न्यूजीलैंड की सरकारी भूकंप निगरानीकर्ता जियोनेट ने कहा कि 4700 से अधिक लोगों ने भूकंप महसूस किया।

अलमारी से सामान गिरने लगा - न्यूजीलैंड की मीडिया ने अपनी खबरों में बताया कि लोगों ने सामान गिरने और इमारतों के हिलने की जानकारी साझा की। न्यूजीलैंड हेराल्ड अखबार के मुताबिक एक व्यक्ति ने फेसबुक पर पोस्ट कि हमारी अलमारी से सामान गिरने लगा। लकड़ी की मेज घूमने लगी।

33 किमी की गहराई में आया भूकंप- जियोनेट के मुताबिक भूकंप न्यूजीलैंड के स्नेरेस द्वीप समूह से लगभग 160 किमी उत्तर-पश्चिम में 33 किमी की गहराई पर आया है। यूनाइटेड स्टेट्स जियोलॉजिकल सर्वे ने बताया कि भूकंप लगभग 10 किमी की गहराई पर आया।

हम.. हम.. कुर्बानी..., भारत को धमकी देते हुए कांपने लगे पाकिस्तानी राष्ट्रपति जरदारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान हमेशा से अपनी गीदड़ भभकी के लिए मशहूर रहा है, लेकिन हर बार वो अपना ही मजाक बनाता है। अब पाकिस्तान दिवस पर एक बार फिर पड़ोसी मुल्क का मजाक बना है।

दरअसल, इस अवसर पर पाकिस्तानी राष्टपति आसिफ अली जरदारी भाषण देते हुए कांपने लगे और कुछ ऐसा बोले जो खूब वायरल हो रहा है।

भारत को धमकी देते हुए लड़खड़ाई जुबान- पाकिस्तान दिवस के सेलिब्रेशन कार्यक्रम के दौरान तीनों सशस्त्र बलों की टुकड़ियां भी वहां मौजूद थी। इसी समय राष्टपति जरदारी अपना भाषण देना शुरू करते हैं और भारत को धमकी देते हुए कांपने लगते हैं।

एक-एक शब्द बोलना हुआ मुश्किल - भाषण के दौरान जरदारी कई शब्दों को उल्टा-पुल्टा बोलते दिखे। जरदारी कोशिश की जा रही है को खुशी की जा रही..., बेशुमार कुर्बानी को समर कुर्बानी बोलते हुए सुनाई दिए। एक जगह वो अटकते हुए बोलते सुने गए हम..हम.. कुर्बानी देने तैयार हैं। उनके लिए मानों एक-एक शब्द पढ़ना मुश्किल हो गया था और उनकी कई बार सांस भी फूलती दिखी।

पूर्व उच्चायुक्त बोले- पूरे देश का मजाक बना- जरदारी ने धमकी देते हुए कहा कि हम भारत के नापाक इरादों को सफल नहीं होने देंगे। इसी वक्त वो कई और शब्द रुक-रुककर बोलते दिखे। इसका खूब मजाक भी बना।

लीक हो गया ट्रंप का वार प्लान! कब और कहां करना है हमला? ग्रुप चैट में सबकुछ बता दिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। यमन के हूती विद्रोहियों के खिलाफ डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन का वार प्लान लीक हो गया। पूरे मामले में ट्रंप प्रशासन की गलती बताई जा रही है। दरअसल, डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने हूती विद्रोहियों पर हमले का प्लान बनाया। मगर इसे सिग्नल ग्रुप चैट में शेयर कर दिया। खास बात यह है कि इस ग्रुप में द अटलांटिक मैगजीन के प्रधान संपादक जेफरी गोल्डबर्ग भी शामिल थे।

ग्रुप में कौन-कौन था शामिल- सोमवार को व्हाइट हाउस ने भी माना कि सिग्नल ग्रुप चैट में हूती विद्रोहियों पर हमले को लेकर चर्चा की गई थी।

इसमें पत्रकार जेफरी गोल्डबर्ग भी शामिल थे। यह प्रामाणिक लग रहा है। गोल्डबर्ग ने कहा कि ट्रंप प्रशासन ने एक असुरक्षित ग्रुप चैट पर अत्यधिक संवेदनशील वार प्लान को साझा किया। इस ग्रुप में रक्षा सचिव पीट हेगसेथ, उपराष्टपति जेडी वेंस, व्हाइट हाउस के राष्टीय सुरक्षा सलाहकार माइक वाल्ट्ज और विदेश मंत्री मार्को रुबियो भी थे।

समीक्षा करने में जुटा व्हाइट हाउस- व्हाइट हाउस की राष्टीय सुरक्षा परिषद के प्रवक्ता ब्रायन ह्यूजेस ने सिग्नल ग्रुप चैट की सत्यता की पुष्टि की। उन्होंने कहा कि रिपोर्ट किया गया थ्रेड प्रामाणिक लगता है। हम इस बात की समीझा करने में जुटे हैं कि अनजान नंबर को कैसे ग्रुप में जोड़ा गया?

बंगाल में फंड का हुआ दुरुपयोग, तमिलनाडु को मिले यूपी से भी अधिक पैसे...

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के बजट सत्र के दौरान लोकसभा में केंद्रीय मंत्री चंद्रशेखर पेम्मासानी ने मंगलवार को एक वित्तीय वर्ष में मनरेगा राज्यों को दिए जाने वाले फंड के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि केवल एक वित्त वर्ष में तमिलनाडु राज्य को यूपी से अधिक धन दिया गया।

उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश की आबादी 20 करोड़ से अधिक है। वहीं, तमिलनाडु की आबादी 7 करोड़ के करीब है। केंद्रीय मंत्री के इस बयान पर संसद में डीएमके सांसदों ने कड़ी आपत्ति जताई। केंद्रीय ग्रामीण विकास राज्य मंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के तहत धनराशि जारी करने में कभी किसी राज्य के साथ भेदभाव नहीं किया है।

पश्चिम बंगाल में धन का दुरुपयोग- प्रश्नकाल के दौरान केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मनरेगा के तहत पश्चिम बंगाल को दिए गए धन के कथित दुरुपयोग के कई मामले सामने आए हैं। वहीं, पश्चिम बंगाल में योजना के क्रियान्वयन के बारे में पूछे गए एक सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि राज्य में कई चीजें गलत हुईं। उन्होंने कहा कि सबसे पहले, धन का दुरुपयोग हुआ और ऐसे मामले भी सामने आए जब कामों को विभाजित करके ठेकेदारों को नामांकित आधार पर दिया गया।

मंत्री ने कहा, हमने एक ऑडिट टीम भेजी। उन्होंने 44 ऐसे काम पाए जिनमें अनियमितताएं थीं। उन्होंने 34 मामलों में पूरी वसूली की। अभी भी 10 अन्य काम पूरे किए जाने बाकी हैं। वित्तीय गड़बड़ी 5.37 करोड़ रुपये की थी। इसमें से उन्होंने 2.39 करोड़ रुपये वसूल किए हैं। कुछ चीजों पर अभी भी ध्यान देने की जरूरत है।

पहाड़ों पर होगी बारिश, मैदानी इलाकों में गर्मी बरपाएगी कहर; मौसम विभाग ने जारी की चेतावनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। जैसे-जैसे मार्च का महीना अपनी समाप्ति की ओर बढ़ रहा है, मौसम में गर्मी बढ़ती जा रही है। अभी भले ही देश के कुछ स्थानों पर बारिश और तेज हवाएं चलती दिख रही हैं, लेकिन 30 मार्च तक बारिश का नामोनिशान खत्म हो जाएगा।

मौसम विभाग ने भयंकर गर्मी का अलर्ट जारी किया है। पश्चिमी विक्षोभ की वजह से आने वाले कुछ दिनों में पहाड़ों पर बारिश देखने को मिल सकती है।

लेकिन मैदानी इलाकों और खासकर उत्तर प्रदेश में गर्मी का प्रकोप लोगों के पसीने निकालने में कोई कसर नहीं छोड़ेगा।

बीते 24 घंटे की बात करें, तो आंध्र प्रदेश के कुछ हिस्सों में भयंकर बारिश हुई। वहीं पश्चिम बंगाल, सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय और तेलंगाना में ओलावृष्टि देखने को मिली। इस दौरान ओडिशा, अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय में तेज हवाएं भी चलीं। गुजरात के सुरेंद्रनगर में देश का सबसे ज्यादा अधिकतम तापमान दर्ज किया गया, जो 41 डिग्री रहा। 24 मार्च को प्रायद्वीपीय भारत के ज्यादातर हिस्सों में मेघगर्जन के साथ-साथ वज्रपात की स्थिति रही।

वन नेशन-वन इलेक्शन पर गठित JPC का कार्यकाल बढ़ा, भाजपा सांसद के प्रस्ताव को लोकसभा में मिली मंजूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा ने मंगलवार को वन नेशन, वन इलेक्शन पर जेपीसी का कार्यकाल मानसून सत्र 2025 के अंतिम सप्ताह के पहले दिन तक बढ़ाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। संयुक्त संसदीय समिति के अध्यक्ष पीपी चौधरी ने मंगलवार को लोकसभा में वन नेशन, वन इलेक्शन विधेयक 2024 और केंद्र शासित प्रदेश कानून (संशोधन) विधेयक-2024 पर रिपोर्ट पेश करने के लिए समय बढ़ाने का प्रस्ताव रखा था।

3 बजे होगी समिति की बैठक- वन नेशन, वन इलेक्शन विधेयक की जांच कर रही संयुक्त संसदीय समिति की आज दोपहर 3 बजे बैठक होने वाली है। बैठक के दौरान भारत के अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणी और दिल्ली उच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश और दूरसंचार विवाद निपटान एवं अपीलीय न्यायाधिकरण (टीडीएसएटी) के वर्तमान अध्यक्ष न्यायमूर्ति डीएन पटेल समिति के समक्ष अपना पक्ष रखेंगे।

पूर्व न्यायाधीश से भी होगी चर्चा- सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश हेमंत गुप्ता अपने विचार साझा करेंगे। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश और भारत के 21वें विधि आयोग के अध्यक्ष न्यायमूर्ति बीएस चौहान के साथ चर्चा होगी। ये बैठकें समिति द्वारा दो विधेयकों की समीक्षा का हिस्सा हैं, जिनका उद्देश्य संविधान और केंद्र शासित प्रदेशों को नियंत्रित करने वाले कानूनों में महत्वपूर्ण बदलाव करना है। जेपीसी की पिछली बैठक 18 मार्च को हुई थी।

फेमस यूट्यूबर के घर में घुसकर 20 लोगों ने किया हमला, दरवाजा तोड़ नाले का पानी फेंका; अकेली थी मां

नई दिल्ली (एजेंसी)। चेन्नई से एक दर्दनाक हादसा सामने आया है। चेन्नई में सफाई कर्मचारियों की वर्दी पहने लोगों की भीड़ ने यूट्यूबर सावुक्कू शंकर के चेन्नई स्थित घर में घुसकर हमला किया। कमरे, रसोई और हॉल में बाल्टियां भरकर कीचड़, गंदगी और मानव मल फेंक दिया। ऐसा लग रहा है कि यह हमला सफाई कर्मचारियों के बारे में कोई आपत्तिजनक टिप्पणी का बदला लेने के लिए किया गया था।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, जब ये हमला किया गया तो शंकर की मां कमला अपने घर पर अकेली थीं, तभी करीब 20 लोग पीछे के दरवाजे से घुसे। घर में तोड़फोड़ की और कथित तौर पर उन्हें धमकी दी कि अगर उनका बेटा बोलना जारी रखेगा तो उन्हें गंभीर परिणाम भुगतने होंगे।

यूट्यूबर को किया वीडियो कॉल- इसके बाद उन लोगों ने उनका फोन छीन लिया, शंकर को वीडियो कॉल किया और भागने से पहले गालियां दीं। फिर मां कमला ने हमलावरों को कहा, अगर मेरे बेटे के साथ कोई समस्या है, तो कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए।

क्या है यूट्यूबर का तर्क - शंकर ने सफाई कर्मचारियों के खिलाफ कोई अपमानजनक टिप्पणी करने से इनकार किया। उन्होंने कहा, मैंने केवल इस बात पर प्रकाश डाला कि एक विधायक ने उनके हक का फंड ले लिया। हमले का शंकर का वीडियो वायरल हो गया है और लोगों में गुस्सा फैल गया है, जिससे तमिलनाडु सरकार पर हमलावरों को न्याय के कटघरे में लाने का दबाव बढ़ रहा है।

हाल ही में उन्होंने सीवर ट्रकों की खरीद में हुए भ्रष्टाचार को लेकर एक बड़ा खुलासा किया था। इसी के बाद से वे निशाने पर थे।

कौन हैं सावुक्कू शंकर- शंकर पहले तमिलनाडु के भ्रष्टाचार निरोधक विभाग में काम करते थे, लेकिन वह अपनी बेबाक पत्रकारिता और खुलासों के लिए मशहूर हुए। साथ ही शंकर का एक YouTube चैनल "Savukku Media" भी है।

1 अप्रैल से इकोनॉमी क्लास में यात्रा करेंगे सभी कर्मचारी, एयर इंडिया ने क्यों जारी किया ये फरमान?

नई दिल्ली (एजेंसी)। टूटी सीट और उड़ान में देरी के कारण आलोचनाओं का सामना कर रही एयर इंडिया अब अपनी छवि सुधारने में जुट गई है। कंपनी ने मंगलवार को शीर्ष प्रबंधन समेत सभी कर्मचारियों को 1 अप्रैल से इकोनॉमी क्लास में यात्रा करने का आदेश दिया है। इसके पीछे वजह यह है कि किराया चुकाने वाले यात्रियों को सीटें खाली मिल सकें।

एयरलाइन ने कहा- ग्राहकों को प्राथमिकता- एयरलाइंस ने कहा कि कर्मचारियों को प्रीमियम इकॉनमी और बिजनेस क्लास की सीटें तभी मिलेंगी जब प्रस्थान से 50 मिनट पहले तक सीटें बिकी नहीं होंगी। कंपनी के प्रवक्ता ने कहा कि प्रीमियम सीटों की भारी मांग है। हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि हमारी प्रीमियम सीटें सबसे पहले हमारे ग्राहकों के लिए बुकिंग को उपलब्ध हों। यह नई एयर इंडिया में ग्राहक केन्द्रित संस्कृति को प्रदर्शित करता है।

2022 में टाटा समूह ने किया अधिग्रहण- पहले एयर इंडिया का स्वामित्व सरकार के पास था। मगर 2022 में टाटा समूह ने इसका अधिग्रहण किया। पिछले साल टाटा और सिंगापुर एयरलाइंस के संयुक्त उद्यम विस्तारा का भी इसमें विलय किया गया। अभी तक टाटा समूह इस पर अरबों डॉलर खर्च कर चुका है। इसके तहत नए जेट का ऑर्डर देना, इसका लोगो बदलना और आधे से अधिक बेड़े के अंदरूनी हिस्सों को अपग्रेड किया गया है।

डेविड वॉर्नर कर चुके एयर इंडिया की आलोचना - कुछ दिन पहले ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर डेविड वॉर्नर ने भी एयर इंडिया की आलोचना की थी। वॉर्नर का कहना था कि विमान में चढ़ने के बाद जानकारी मिली की फ्लाइट में कोई पायलट नहीं है। इस वजह से उन्हें घंटों इंतजार करना पड़ा। डेविड वॉर्नर ने एक्स पोस्ट में लिखा कि हम बिना पायलट वाले विमान में सवार हुए। घंटों विमान में ही इंतजार करना पड़ा। उन्होंने एयरलाइंस से सवाल किया कि जब आप यह जानते हैं कि आपके पास कोई पायलट नहीं है तो आपने फ्लाइट में यात्रियों को क्यों चढ़ाया?

क्या है सौगात-ए-मोदी योजना, ईद पर 32 लाख मुस्लिमों को भाजपा देगी तोहफा; किट में क्या-क्या मिलेगा?

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी देशभर के 32 लाख मुस्लिम परिवारों को ईद के मौके पर तोहफा देगी। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा ने सौगात-ए-मोदी किट बांटने का एलान किया है। ईद पर इन किटों को मस्जिदों के माध्यम से जरूरतमंद मुस्लिमों में बांटा जाएगा। अल्पसंख्यक मोर्चा के 32000 पदाधिकारी 32000 मस्जिदों से जुड़ेंगे। यहां से ही 32 लाख जरूरतमंद व्यक्तियों की पहचान की जाएगी। इसके बाद उन्हें यह सहायता दी जाएगी।

निजामुद्दीन से शुरू होगा अभियान- भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के मार्गदर्शन में मंगलवार को दिल्ली के निजामुद्दीन से अभियान की शुरुआत होगी। इस पहल का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि गरीब मुस्लिम परिवार बिना किसी परेशानी के त्योहार मना सकें। अभियान के तहत अल्पसंख्यक मोर्चा के 32000 कार्यकर्ता देशभर की 32000 मस्जिदों के साथ मिलकर जरूरतमंदों तक पहुंचेंगे।

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जमाल सिद्दीकी ने कहा कि रमजान के पवित्र महीने में गरीब, कमजोर पड़ोसियों और रिश्तेदारों की मदद करने के महत्व पर जोर दिया जाता है। उन्होंने कहा कि मोर्चा गुड फ्राइडे, ईस्टर, नवरोज और भारतीय नववर्ष में भी भाग लेगा और सौगात-ए-मोदी किट वितरित करेगा। मोर्चा का कहना है कि इससे सांप्रदायिक सद्भाव को बढ़ावा दिया जाएगा।

सौगात-ए-मोदी किट में क्या-क्या है - पिछले रविवार को ही सौगात-ए-मोदी अभियान का एलान किया गया था। किट में खाने-पीने की चीजों के साथ-साथ कपड़े, सेंवई, खजूर, ड्राई फ्रूट्स और चीनी होगी। महिलाओं की किट में सूट का कपड़ा होगा। वहीं पुरुषों की किट में कुर्ता-पायजामा होगा। सूत्रों के अनुसार प्रत्येक किट की कीमत करीब 500 से 600 रुपये होगी। इस अभियान का उद्देश्य यह है कि गरीब और जरूरतमंद मुसलमान भी अच्छे से ईद मना सके।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
हिन्दकुश मीडिया
jagrayam.com
online news magazine
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

विक्रम संवत 2079 कृष्ण द्वादशी

संपादकीय

कुदरत की अनमोल कलाकृति मानवीय जीव के रूप में सृजित हुई....

कुदरत द्वारा बनाई इस अनमोल खूबसूरत सृष्टि में कुदरत की अनमोल कलाकृति मानवीय जीव के रूप में सृजित हुई और जिस मानवीय कुनबे में शिशु का जन्म होता है वहां खुशियों की बहार छा जाती है ऐसा सदियों से हजारों वर्षों से होता आया है और वर्तमान काल में भी हो रहा है। इस संसार में मृत्य अटल सत्य है जिसने भी जन्म लिया है उसकी मृत्यु निश्चित है। लेकिन लोगों के मन हमेशा एक सवाल उठता है कि आखिर मौत के बाद क्या होता है। अगर आत्म होती है, तो कहां जाती है। मौत के बाद मनुष्य का शरीर शिथिल हो जाता है। इस पर पहले कई शोध हुए हैं जो अभी भी जारी है। प्रकृति के कई अनसुलझे रहस्य हैं जिसे सुलझाना अभी भी बाकी है। उन्हीं में से एक है आत्मा और मौत। जब किसी मानवीय जीव की मृत्यु हो जाती है तो आदि अनादि काल से यह भी सच है कि उसी कुनबे में अति संवेदनशील दुखों का पल छा जाते हैं और उनका कुनबा यह सोचने पर मज़बूर हो जाता है कि आखिर ऐसा क्या इस शरीर में से निकल गया जो यह शरीर निर्जीव हो गया जो आज के वर्तमान परिपेक्ष में भी एक अनसुलझा रहस्य बना हुआ है! जिसके विज्ञान, विशेषज्ञों, जानकारों के अलग अलग तर्क दिए गए हैं परंतु हमारे बड़े बुजुर्गों और आध्यात्मिकता में यह ईश्वर अल्लाह की देन है और कहा गया है कि हम मानवीय जीव उसके हाथ के बने खिलौने हैं जिनका वह जीवन फिक्स कर देता है और समय आने पर उसे तोड़ देता है याने मृत्यु !आदि अनादि कहां से बुजुर्गों आध्यात्मिकता व कहावतों द्वारा यह कहा जाता है कि मनुष्य जब जन्म लेता है तो उसके मस्तक पर उसके पूरे जीवन की भविष्य रेखा लिखी रहती है और वह रेखा समाप्त होते ही उसकी मृत्यु हो जाती है,परंतु आधुनिक प्रौद्योगिकी युग में मनुष्य या कोई भी जीव मृत देह में कैसे बदल जाता है विज्ञान इस सवाल से निरंतर जूझ रहा है।

साथियों बात अगर हम मृत्यु की करें तो यह नाम सुनते ही दिल दहल जाता है, कांप जाता है। जिस तरह हमने कोरोना महामारी कॉल की पीक़ स्थिति में मृत्यु का तांडव देखे, तो दिल पसीज़ गया था। हमनें फिल्म उद्योग की पुरानी फिल्म पुष्पांजलि का दर्द भरा गीत, दुनिया से जाने वाले, जाने चले जाते हैं कहां, कैसे ढूंढे कोई उनको नहीं होते नामोनिशान और चिट्ठी न कोई संदेश, ना जाने कौन सा देश, जहां तुम चले गए सुनें होंगे जो दुखों के पलों में अक्सर याद आते हैं। हालांकि इन गीतों से भी वही प्रश्न गूंज रहा है कि आखिर मानवीय शरीर में से ऐसा क्या निकल जाता है और कहां चला जाता है जो शरीर निर्जीव हो जाता है!उसका रहस्य आज भी अनसुलझा है!और मेरा मानना है कि शायद कभी सुल्झेगा भी नहीं चाहे कितना भी प्रौद्योगिकी विज्ञान का उपयोग किया जाए?

साथियों बात अगर हम मृत्यु की करें तो, मृत्यु शब्द नही बल्कि, मीडिया में जानकारी के अनुसार, मृत्यु एक परम पवित्र मंगलकारी देवी है। सामान्य भाषा मे किसी भी जीवात्मा अर्थात प्राणी के जीवन के अन्त को मृत्यु कहते हैं। मृत्यु सामान्यतः वृद्धावस्था, लालच, मोह,रोग कुपोषण के परिणामस्वरूप होती है।मुख्यतया मृत्यु के 101 स्वरूप होते है, लेकिन मुख्य 8 प्रकार की होती है। जिसमे बुढ़ापा, रोग, दुर्घटना, अकस्मती आघात, शोक,चिंता, और लालच मृत्यु के मुख्य रूप है।

साथियों बात अगर हम विज्ञान विशेषज्ञों, जानकारों की करें तो उनका अलग-अलग तर्क है, हालांकि विज्ञान के अनुसार, मृत्यु का अर्थ है जीवित प्राणी के शरीर की सभी जैविक प्रक्रियाओं का समाप्त हो जाना। जैविक प्रक्रिया को दिल के धड़कने, मस्तिष्क के निर्णय लेने की क्षमता, किडनी और लीवर जैसे अंगों के सुचारु ढंग से काम करने में समझा जा सकता है। ये प्रक्रियाएं समाप्त होते ही हमारी मृत्यु हो जाती है।

महादेवी वर्मा

महादेवी वर्मा हिन्दी भाषा की प्रख्यात कवयित्री हैं। महादेवी वर्मा की गिनती हिन्दी कविता के छायावादी युग के चार प्रमुख स्तंभ सुमित्रानन्दन पन्त, जयशंकर प्रसाद और सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला के साथ की जाती है। आधुनिक हिन्दी कविता में महादेवी वर्मा एक महत्त्वपूर्ण शक्ति के रूप में उभरीं। महादेवी वर्मा ने खड़ी बोली हिन्दी को कोमलता और मधुरता से संसिक्त कर सहज मानवीय संवेदनाओं की अभिव्यक्ति का द्वार खोला, विरह को दीपशिखा का गौरव दिया, व्यष्टिमूलक मानवतावादी काव्य के चिंतन को प्रतिष्ठापित किया। महादेवी वर्मा के गीतों का नाद-सौंदर्य, पैनी उक्तियों की व्यंजना शैली अन्यत्र दुर्लभ है।

जीवन परिचय- महादेवी वर्मा अपने परिवार में कई पीढ़ियों के बाद उत्पन्नहुई। उनके परिवार में दो सौ सालों से कोई लड़की पैदा नहीं हुई थी, यदि होती तो उसे मार दिया जाता था। दुर्गा पूजा के कारण आपका जन्म हुआ। आपके दादा फ़ारसी और उर्दू तथा पिताजी अंग्रेज़ी जानते थे। माताजी जबलपुर से हिन्दी सीख कर आई थी, महादेवी वर्मा ने पंचतंत्र और संस्कृत का अध्ययन किया। महादेवी वर्मा जी को काव्य प्रतियोगिता में चांदी का कटोरा मिला था। जिसे इन्होंने गाँधीजी को दे दिया था। महादेवी वर्मा कवि सम्मेलन में भी जाने लगी थी, वो सत्याग्रह आंदोलन के दौरान कवि सम्मेलन में अपनी कवितायें सुनाती और उनको हमेशा प्रथम पुरस्कार मिला करता था। महादेवी वर्मा मराठी मिश्रित हिन्दी बोलती थी।

जन्म- महादेवी वर्मा का जन्म होली के दिन 26 मार्च, 1907 को फ़र्रुख़ाबाद, उत्तर प्रदेश में हुआ था। महादेवी वर्मा के पिता श्री गोविन्द प्रसाद वर्मा एक वकील थे और माता श्रीमती हेमरानी देवी थीं। महादेवी वर्मा के माता-पिता दोनों ही शिक्षा के अनन्य प्रेमी थे। महादेवी वर्मा को आधुनिक काल की मीराबाई कहा जाता है। महादेवी जी छायावाद रहस्यवाद के प्रमुख कवियों में से एक हैं। हिन्दुस्तानी स्त्री की उदारता, करुणा, सात्विकता, आधुनिक बौद्धिकता, गंभीरता और सरलता महादेवी वर्मा के व्यक्तित्व में समाविष्ट थी। उनके व्यक्तित्व और कृतित्व की विलक्षणता से अभिभूत रचनाकारों ने उन्हें साहित्य साम्राज्ञी, हिन्दी के विशाल मंदिर की वीणापाणि, शारदा की प्रतिमा आदि विशेषणों से अभिहित करके उनकी असाधारणता को लक्षित किया। महादेवी जी ने एक निश्चित दायित्व के साथ भाषा, साहित्य, समाज, शिक्षा और संस्कृति को संस्कारित किया। कविता में रहस्यवाद, छायावाद की भूमि ग्रहण करने के बावजूद सामयिक समस्याओं के निवारण में महादेवी वर्मा ने सक्रिय भागीदारी निभाई।

शिक्षा- महादेवी वर्मा की प्रारम्भिक शिक्षा इन्दौर में हुई। महादेवी वर्मा ने बी.ए. जबलपुर से किया। महादेवी वर्मा अपने घर में सबसे बड़ी थी उनके दो भाई और एक बहन थी। 1919 में इलाहाबाद में क्रॉस्थवेट कॉलेज से शिक्षा का प्रारंभ करते हुए महादेवी वर्मा ने 1932 में इलाहाबाद विश्वविद्यालय से संस्कृत में एम.ए. की उपाधि प्राप्त की। तब तक उनके दो काव्य संकलन नीहार और रश्मि प्रकाशित होकर चर्चा में आ चुके थे। महादेवी जी में काव्य प्रतिभा सात वर्ष की उम्र में ही मुखर हो उठी थी। विद्यार्थी जीवन में ही उनकी कविताएँ देश की प्रसिद्ध पत्र-पत्रिकाओं में स्थान पाने लगीं थीं।

विवाह- उन दिनों के प्रचलन के अनुसार महादेवी वर्मा का विवाह छोटी उम्र में ही हो गया था परन्तु महादेवी जी को सांसारिकता से कोई लगाव नहीं था अपितु वे तो बौद्ध धर्म से बहुत प्रभावित थीं और स्वयं भी एक बौद्ध भिक्षुणी बनना चाहतीं थीं। विवाह के बाद भी उन्होंने अपनी शिक्षा जारी रखी। महादेवी वर्मा की शादी 1914 में डॉ. स्वरूप नरेन वर्मा के साथ इंदौर में 9 साल की उम्र में हुई, वो अपने माँ पिताजी के साथ रहती थीं क्योंकि उनके पति लखनऊ में पढ़ रहे थे।

विरासत- शिक्षा और साहित्य प्रेम महादेवी जी को एक तरह से विरासत में मिला था। महादेवी जी में काव्य रचना के बीज बचपन से ही विद्यमान थे। छः सात वर्ष की अवस्था में भगवान की पूजा करती हुई माँ पर उनकी तुकबन्दी।

ठंडे पानी से नहलाती
ठंडा चन्दन उन्हें लगाती
उनका भोग हमें दे जाती
तब भी कभी न बोले हैं
मां के ठाकुर जी भोले हैं।

वे हिन्दी के भक्त कवियों की रचनाओं और भगवान बुद्ध के चरित्र से अत्यन्त प्रभावित थी। उनके गीतों में प्रवाहित करुणा के अनन्त स्रोत को इसी कोण से समझा जा सकता है। वेदना और करुणा महादेवी वर्मा के गीतों की मुख्य प्रवृत्ति है। असीम दुःख के भाव में से ही महादेवी वर्मा के गीतों का उदय और अन्त दोनों होता है।

महिला विद्यापीठ की स्थापना- महादेवी वर्मा ने अपने प्रयत्नों से इलाहाबाद में प्रयाग महिला विद्यापीठ की स्थापना की। इसकी वे प्रधानाचार्य एवं कुलपति भी रहीं। महादेवी वर्मा पाठशाला में हिन्दी-अध्यापक से प्रभावित होकर ब्रजभाषा में समस्या पूर्ति भी करने लगीं। फिर तत्कालीन खड़ी बोली की कविता से प्रभावित होकर खड़ी बोली में रोला और हरिगीतिका छन्दों में काव्य लिखना प्रारम्भ किया। उसी समय माँ से सुनी एक करुण कथा को लेकर सौ छन्दों में एक खण्डकाव्य भी लिख डाला। 1932 में उन्होंने महिलाओं की प्रमुख पत्रिका चाँद का कार्यभार सँभाला। प्रयाग में अध्यापन कार्य से जुड़ने के बाद हिन्दी के प्रति गहरा अनुराग रखने के कारण महादेवी वर्मा दिनों-दिन साहित्यिक क्रियाकलापों से जुड़ती चली गईं। उन्होंने न केवल चाँद का सम्पादन किया वरन् हिन्दी के प्रचार-प्रसार के लिए प्रयाग में साहित्यकार संसद की स्थापना की। उन्होंने साहित्यकार मासिक का संपादन किया और रंगवाणी नाट्य संस्था की भी स्थापना की।

कृतियाँ- महादेवी जी कवयित्री होने के साथ-साथ एक विशिष्ट गद्यकार थीं। यामा में उनके प्रथम चार काव्य-संग्रहों की कविताओं का एक साथ संकलन हुआ है। आधुनिक कवि-महादेवी में उनके समस्त काव्य से उन्हीं द्वारा चुनी हुई कविताएँ संकलित हैं। कवि के अतिरिक्त वे गद्य लेखिका के रूप में भी पर्याप्त ख्याति अर्जित कर चुकी हैं। स्मृति की रेखाएं (1943 ई.) और अतीत के चलचित्र (1941 ई.) उनकी संस्मरणात्मक गद्य रचनाओं के संग्रह हैं। श्रृंखला की कड़ियाँ (1942 ई.) में सामाजिक समस्याओं, विशेषकर अभिशप्त नारी जीवन के जलते प्रश्नों के सम्बन्ध में लिखे उनके विचारात्मक निबन्ध संकलित हैं। रचनात्मक गद्य के अतिरिक्त महादेवी का विवेचनात्मक गद्य में तथा दीपशिखा, यामा और आधुनिक कवि-महादेवी की भूमिकाओं में उनकी आलोचनात्मक प्रतिभा का भी पूर्ण प्रस्फुटन हुआ है। उनकी कृतियाँ इस प्रकार हैं -

काव्य संग्रह- महादेवी वर्मा के 1934 में नीरजा, 1936 में सांध्यगीत नामक संग्रह प्रकाशित हुए। 1939 में इन चारों काव्य संग्रहों को उनकी कलाकृतियों के साथ वृहदाकार में यामा शीर्षक से प्रकाशित किया गया। महादेवी वर्मा ने गद्य, काव्य, शिक्षा और चित्रकला सभी क्षेत्रों में नए आयाम स्थापित किए। इसके अतिरिक्त उनके 18 काव्य और गद्य कृतियाँ हैं जिनमें मेरा परिवार, स्मृति की रेखाएँ, पथ के साथी, श्रृंखला की कड़ियाँ और अतीत के चलचित्र प्रमुख हैं।

काव्य विशेषताएँ- महादेवी के काव्य में भाव समृद्धि तथा शैल्पिक सौन्दर्य का आकर्षक समन्वय है। आपके काव्य की उभयपक्षीय विशेषताएँ इस प्रकार हैं-

भाव पक्ष- महादेवी जी के काव्य में आत्मनिवेदन का स्वर प्रधान है। अपने हृदय की विविध अनुभूतियों को ही कवयित्री ने काव्य का विषय बनाया है। अज्ञात प्रियतम के प्रति विरह व्यथा का निवेदन, मिलन का संकल्प, रहस्यमयी संवेदनाएँ और प्रकृति का कोमलकान्त दृश्यांकन आपके गीतों के प्रधान विषय हैं। आध्यात्मिकता और दार्शनिकता के झीने अंचल से आवृत्त आपके मृदुल उदगार एक मोहक भाव जगत् की सृष्टि करते हैं।

रस योजना- महादेवी जी के काव्य का प्रधान रस श्रृंगार है। यद्यपि श्रृंगार के संयोग तथा वियोग दोनो ही पक्षों को कवयित्री ने काव्य का विषय बनाया है, तथापि वियोग की अभिव्यक्ति ही अधिक तल्लीनता से हुई है। यह वियोग लौकिक धरातल पर स्थित होते हुए भी अपनी भव्यता से अलौकिकता के अम्बर का स्पर्श करता चलता है।

46 के शेयर वाली कंपनी को मिला सरकारी स्कीम का फायदा, खरीदने की मची लूट

नई दिल्ली (एजेंसी)। शेयर बाजार में पॉजिटिव खबर की वजह से शेयरों की डिमांड बढ़ जाती है। ऐसी ही एक पॉजिटिव खबर आयरन एंड स्टील सेक्टर से जुड़ी कंपनी- बीएमडब्ल्यू इंडस्ट्रीज लिमिटेड को लेकर आई है। इस खबर के बाद कंपनी के शेयरों में तूफानी तेजी देखने को मिली। बता दें कि शेयर की कीमत 50 रुपये के स्तर पर है।

क्या है पॉजिटिव खबर- BMW इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने विशेष इस्पात के लिए उत्पादन लिंक्ड प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना 1.1 के तहत भारत सरकार के इस्पात मंत्रालय के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। एमओयू के तहत BMW इंडस्ट्रीज लिमिटेड कई विशेष स्टील उत्पादों का निर्माण करेगा, जिसमें मेटालिक/नॉन-मेटालिक मिश्र धातु के कोटेड/प्लेटेड स्टील उत्पाद और अल-जैन कोटेड (गैलवैल्यूम) उत्पाद शामिल हैं। इन उत्पादों का उत्पादन BMW इंडस्ट्रीज लिमिटेड के झारखंड के बोकारो में स्थित आगामी ग्रीनफील्ड डाउनस्ट्रीम स्टील कॉम्प्लेक्स में किया जाएगा। यह फैसलिटीज कंपनी की व्यापक निवेश योजनाओं का हिस्सा है, जिसकी घोषणा पहली बार 19 मार्च, 2025 को की गई थी।

शेयर का हाल- BMW इंडस्ट्रीज लिमिटेड के शेयर ?46.9 पर खुलने के बाद 10त्न उछलकर ?49.51 प्रति शेयर के उच्च स्तर पर पहुंच गए। शेयर की पिछली क्लोजिंग 45.03 रुपये थी। वहीं, 13 मार्च 2025 को शेयर 39.36 रुपये के निचले स्तर पर था। यह शेयर के 52 हफ्ते का लो भी है। पिछले साल अगस्त में शेयर 79.05 रुपये पर था। यह शेयर के 52 हफ्ते का हाई है।

बीएमडब्ल्यू इंडस्ट्रीज के एमडी हर्ष बंसल ने कहा-यह साझेदारी हमारी डाउनस्ट्रीम स्टील क्षमताओं को मजबूत करने और बाजार में हमारी उपस्थिति को बढ़ाने में मील का पत्थर है। हमारे रणनीतिक रूप से स्थित बोकारो प्लांट के साथ हमें विश्वास है कि यह परियोजना हमें मजबूत करेगी। कोलकाता में मुख्यालय वाली कंपनी 1981 में वजूद में आई।

कंपनी HRPO कॉइल्स, CR कॉइल्स, GP कॉइल्स, GC शीट्स, MS और GI पाइप्स और TMT रिबार्स जैसे उत्पादों की सीरीज के निर्माण में माहिर है।

चौथी बार अपने ही शेयर को वापस खरीदेगी यह कंपनी, 330 पर शेयर, आपका है दांव?

नई दिल्ली (एजेंसी)। शेयर बायबैक के प्रस्ताव पर विचार करने के लिए 25 मार्च को होने वाली बोर्ड मीटिंग से पहले मंगलवार के कारोबारी सत्र में स्मॉल-कैप स्टॉक SIS में 1.15 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई। सुबह 9:30 बजे, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर SIS का शेयर 330.05 पर कारोबार कर रहा था।

कंपनी ने क्या कहा- कंपनी ने एक्सचेंज फाइलिंग में कहा, हम आपको सूचित करना चाहते हैं कि कंपनी की बोर्ड मीटिंग 25 मार्च, 2025 को होने वाली है, जिसमें अन्य बातों के साथ-साथ कंपनी के इक्विटी शेयरों की बायबैक के प्रस्ताव पर विचार किया जाएगा और यदि उचित समझा जाएगा, तो उसे मंजूरी दी जाएगी। यह पिछले चार सालों में स्ङ्कस् द्वारा किया गया चौथा इक्विटी शेयर बायबैक है। कंपनी ने पहले टेंडर ऑफर पद्धति के जरिए से 2021, 2022 और 2023 में बायबैक किया था। बता दें कि स्मॉल-कैप कंपनी ने अपने पिछले तीनों बायबैक 550 प्रति शेयर की समान कीमत पर किए हैं। टेंडर ऑफर रूट में कंपनी अपने मौजूदा शेयरधारकों से पूर्व-निर्धारित कीमत पर शेयर पुनर्खरीद करती है, जो आम तौर पर मौजूदा बाजार मूल्य से अधिक होती है।

शेयरों के हाल- 2020 में, SIS ने 10 अंकित मूल्य वाले एक इक्विटी शेयर को 5 अंकित मूल्य वाले दो इक्विटी शेयरों में विभाजित किया।

तूफानी मूड में शेयर बाजार, सेंसेक्स ने लगाई 730 अंक की छलांग; इस वजह से आई तेजी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय शेयर बाजार में लगातार 7 वें दिन जबरदस्त तेजी देखने को मिली है। सेंसेक्स और निफ्टी में उछाल देखने को मिली है। सेंसेक्स 78500 के करीब पहुंच गया है, अभी 730 अंक की उछाल के साथ बढ़ा है।

निफ्टी 250 अंक पहुंच गया। बीते हफ्ते जबरदस्त बढ़त लेने के बाद आज बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का 30 शेयरों वाला Sensex खुलने के साथ ही 400 अंक से ज्यादा उछला।

निफ्टी इंडेक्स करीब 80 अंकों की तेजी के साथ 23800 के पास पहुंच गया है। एशियाई बाजारों में जापान का निक्केई हरे निशान में कारोबार कर रहा। वहीं, अमेरिकी वायदा बाजार सपाट ट्रेड कर रहे हैं। कोटक महिंद्रा बैंक, एनटीपीसी, SBI, टेक महिंद्रा जैसे स्टॉक्स 4.5 प्रतिशत तक पहुंच गए हैं।

क्या कहता है BSE का सेंसेक्स- शेयर मार्केट के ओपन होने के साथ ही बीएसई का सेंसेक्स अभी 78,669.43 के स्तर पर है। वहीं कल ये अपने पिछले बंद 76,905.51 की तुलना में जोरदार तेजी लेते हुए 77,456.27 के स्तर पर खुला और देखते ही देखते 77,498.29 तक पहुंच गया था। Sensex की ये रफ्तार कारोबार बढ़ने के साथ और बढ़ती गई। अभी तक 1000 अंक की उछाल के साथ 77,907.42 के स्तर पर कारोबार करता दिखा।

मार्केट में क्यों आ रहा उछाल- आरबीआई के रेट कट की उम्मीद- अमेरिकी फेड की बैठक के बाद अब आरबीआई से भी रेट कट की चर्चा जोरे पर हैं।

विदेशी और घरेलू निवेशक शेयर बाजार में जमकर पैसा लगा रहे हैं।

ग्लोबल कंपनी ने भारत की त्रष्ठक्च और महंगाई को लेकर पॉजिटिव ऑउटलुक दिया है।

99% लुढ़ककर 1.13 रुपये पर पहुंच गया था यह शेयर, अब 3200% की तूफानी तेजी

नई दिल्ली (एजेंसी)। अनिल अंबानी की कंपनी रिलायंस पावर के शेयर धड़ाम हो गए थे। कंपनी के शेयर 99 पर्सेंट से ज्यादा टूटकर 1.13 रुपये पर पहुंच गए थे। इस तेज गिरावट के बाद रिलायंस पावर के शेयरों में पांच साल में तूफानी तेजी आई है। कंपनी के शेयर पांच साल में 3200 पर्सेंट से ज्यादा उछल गए हैं।

रिलायंस पावर के शेयर मंगलवार 25 मार्च 2025 को 38.74 रुपये पर पहुंच गए। रिलायंस पावर अब स्टैंडअलोन बेसिस पर कर्ज मुक्त कंपनी हो गई है। अनिल अंबानी के मालिकाना हक वाली कंपनी रिलायंस पावर के शेयर 23 मई 2008 को 274.84 रुपये पर थे। पावर कंपनी के शेयर 99 पर्सेंट से ज्यादा टूटकर 27 मार्च 2020 को 1.13 रुपये पर पहुंच गए थे। इस निचले स्तर तक पहुंचने के बाद रिलायंस पावर के शेयरों में पिछले पांच साल में अच्छी रिकवरी देखने को मिली है। कंपनी के शेयर पिछले पांच साल में 3200 पर्सेंट से अधिक उछल गए हैं। रिलायंस पावर के शेयर मंगलवार 25 मार्च 2025 को 38.74 रुपये पर जा पहुंचे। अनिल अंबानी की इस कंपनी का मार्केट कैप भी 15,000 करोड़ रुपये के पार पहुंच गया है।

रिलायंस पावर के शेयर पिछले 4 साल में 700 पर्सेंट से ज्यादा उछल गए हैं। अनिल अंबानी के मालिकाना हक वाली इस पावर कंपनी के शेयर 26 मार्च 2021 को 4.69 रुपये पर थे।

इस कंपनी को मिले 2 बड़े ऑर्डर फिर भी शेयर बेदम, बेचकर निकलने लगे निवेशक

नई दिल्ली (एजेंसी)। बाजार में तेजी के बीच सिविल कंस्ट्रक्शन से जुड़ी कंपनी- एनबीसीसी (इंडिया) लिमिटेड के शेयर में मंगलवार को गिरावट देखी गई। सप्ताह के दूसरे दिन एनबीसीसी (इंडिया) लिमिटेड के शेयर करीब 3 फीसदी टूटकर 82 रुपये पर आ गए। शेयर में यह गिरावट ऐसे समय में आई है जब कंपनी को दो बड़े ऑर्डर मिले हैं। जिनकी कुल कीमत 658.42 करोड़ रुपये है।

पहला ऑर्डर कहां से- इनमें से 438.98 करोड़ रुपये का पहला ऑर्डर उत्तराखंड निवेश एवं अवसंरचना विकास बोर्ड से मिला है। यह रोडिया बेलवाला क्षेत्र के पुनरोद्धार, सती कुंड और उसके आसपास के विकास, हर की पौड़ी आदि के पुनरोद्धार और हरिद्वार में रेलवे स्टेशन के सामने ऊपरी सड़क के पार्किंग और कॉमर्शियल एरिया के पुनर्विकास के लिए है।

दूसरा ऑर्डर कहां से- कंपनी को दूसरा ऑर्डर 219.45 करोड़ का मिला है, जो टेलीमेटिक्स के विकास के लिए केंद्र से मिला है। इस वर्क में नई दिल्ली के महरौली में सी-डॉट परिसर में डेटा सेंटर, आवास और छात्रावास, तकनीकी ब्लॉक और आवासीय भवनों सहित विभिन्न भवनों की योजना, पर्यवेक्षण, निर्माण और विकास के लिए परियोजना प्रबंधन परामर्श (पीएमसी) सेवाएं शामिल हैं।

एनबीसीसी (इंडिया) लिमिटेड ने कहा कि उसने ग्रेटर नोएडा के एस्पायर सेंचुरियन पार्क में ई-नीलामी के माध्यम से 1,046 आवासीय इकाइयां बेचीं। इसका कुल बिक्री मूल्य लगभग 2,353 करोड़ है।

जोमैटो और स्विगी के शेयरों में इस साल 40% तक गिरावट, जेप्टो भी दे रहा टेंशन

नई दिल्ली (एजेंसी)। Zomato Vs Swiggy Vs Zepto जोमैटो और स्विगी के शेयरों में इस साल भारी गिरावट देखी गई है। स्विगी का शेयर 2025 के अपने उच्चतम स्तर से लगभग 40त्न नीचे आ चुका है, जबकि जोमैटो 27% गिरा है। यह गिरावट तब आई है जब इन कंपनियों ने इस वित्तीय वर्ष की तीसरी तिमाही के नतीजे बाजार की उम्मीदों से कम दिखाए। आज भी जोमैटो के शेयर 5 फीसद से अधिक टूटकर 211 रुपये के आसपास आ गए हैं। स्विगी भी दो फीसद से अधिक टूटकर 344 रुपये पर आ गया है।

इसी बीच, जोमैटो और स्विगी के क्विक कॉमर्स प्रतिद्वंद्वी जेप्टो भी उन्हें टेंशन दे रहा है। जेप्टो के 250 मिलियन के सेकेंडरी सेल (IPO से पहले कुछ शेयरधारकों द्वारा हिस्सेदारी बेचने) की खबर ने भी इन शेयरों पर दबाव बनाया है। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक, जेप्टो आईपीओ से पहले भारतीय निवेशकों की हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए यह कदम उठा रहा है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in 24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

मैहर जाकर मां शारदा का दर्शन करना हुआ आसान चैत्र नवरात्र में रेलवे ने दिया 30 ट्रेनों का स्टॉपेज

जबलपुर। चैत्र नवरात्र में जबलपुर रेल मंडल में मैहर जाने वाले यात्रियों की सुविधा को देखते हुए यहां से गुजरने वाली करीब 30 से ज्यादा ट्रेनों को ठहराव दिया गया है। रेलवे ने मैहर स्टेशन पर आने-जाने वाली ट्रेनों को 30 मार्च से 12 अप्रैल यहां पर पांच मिनट रोकने का निर्णय लिया है।मैहर रुकने वाली ट्रेनों की लिस्ट

11055 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-गोरखपुर एक्सप्रेस

11056 गोरखपुर-लोकमान्य तिलक टर्मिनस एक्सप्रेस

11059 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-छपरा एक्सप्रेस

11060 छपरा-लोकमान्य तिलक टर्मिनस एक्सप्रेस

12669 चेन्नई-छपरा एक्सप्रेस

12670 छपरा-चेन्नई एक्सप्रेस

वलसाड-मुजफ्फरपुर एक्सप्रेस

19052 मुजफ्फरपुर-वलसाड एक्सप्रेस

छत्रपति शाहू महाराज टर्मिनस कोल्हापुर-धनबाद एक्सप्रेस

धनबाद-श्री छत्रपति शाहू महाराज टर्मिनस

15268 एलएलटी-रक्सौल एक्सप्रेस

15267 रक्सौल-एलएलटी एक्सप्रेस

18201 दुर्ग-नवतनवा एक्सप्रेस

18202 नवतनवा-दुर्ग एक्सप्रेस

11037 पुणे-गोरखपुर एक्सप्रेस

11038 गोरखपुर-पुणे एक्सप्रेसग्वालियर- तीन ट्रेनों के रूट में हुआ परिवर्तन

इस बीच, ग्वालियर से खबर है कि वीरांगना लक्ष्मीबाई स्टेशन झांसी- मानिकपुर रेलखंड पर बेलाताल व कुलपहाड़ स्टेशन के बीच में नान इंटरलाकिंग तथा कट कनेक्शन का काम किया जाएगा। ऐसे में ग्वालियर से गुजरने वाली दो ट्रेनों- उदयपुर खजुराहो और मथुरा से हावड़ा तक चलने वाली चंबल व ग्वालियर से हावड़ा तक चलने वाली चंबल एक्सप्रेस के रूट में 30 और 31 मार्च को बदलाव किया गया है।

'ग्वालियर को नहीं मिल रहे उद्योग, सिंधिया के दरवाजे पर बैठूंगा' अब मध्य प्रदेश के ऊर्जा मंत्री ने अपनी ही सरकार को घेरा

भोपाल। भाजपा विधायकों द्वारा अपनी ही सरकार को घेरने का मामला अभी शांत भी नहीं हुआ था कि अब मंत्री द्वारा सरकार की औद्योगिक व्यवस्था पर सवाल उठाए जा रहे हैं। मध्य प्रदेश के ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कहा है कि ग्वालियर को उद्योग नहीं मिल रहे हैं। सिंधिया के दरवाजे पर बैठूंगा।

बकौल तोमर, मैंने केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया से कहा है कि ग्वालियर में पुनः उद्योग स्थापित हो। इसके लिए आप प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मिलें। साथ में हमें भी ले चलें। ग्वालियर को पुनः औद्योगिक नगरी बनाने के लिए हमें काम करना है। जरूरत पड़ी तो मैं सिंधिया के दरवाजे पर बैठूंगा।मंत्री ने आगे कहा, ग्वालियर में जितने उद्योगों की जरूरत है, जितने मिलने चाहिए, उतने उद्योग ग्वालियर को नहीं मिल पा रहे हैं। मेरे मन की जो बात है वो मैंने कही है यह कोई राजनीतिक मुद्दा नहीं है। ग्वालियर की जो बात हमें करनी चाहिए, वो मैंने कही है।ज पहली बार नहीं

यह पहला मौका नहीं जब भाजपा के किसी जनप्रतिनिधि ने अपनी ही सरकार पर सवाल उठाए हो। इसके पहले भी कई बार विधायकों द्वारा सरकार को घेरने का प्रयास किया गया।

हाल ही में भाजपा विधायक चिंतामणि मालवीय ने मुख्यमंत्री के गृह शहर उज्जैन में सिंहस्थ क्षेत्र की किसानों की भूमि पर स्थायी अधिग्रहण कर साजिश पूर्ण बिल्डरों और कॉलोनाइजरों को लाभ पहुंचाने का आरोप लगाया था।

पार्टी ने उन्हें नोटिस जारी किया है। इसके पहले मऊगंज जिले के विधायक प्रदीप पटेल पुलिस अधीक्षक कार्यालय मऊगंज पहुंचकर गुंडों से रक्षा करने की बात कहते हुए एसपी और एडिशनल एसपी के सामने दंडवत हो गए थे।

पुलिस ने उनसे पूछा कि क्या समस्या है, इस पर विधायक बोले- समस्या कुछ नहीं है, गुंडों से आप मुझे मरवा दीजिए। इसके तत्काल बाद विधायक एएसपी के सामने दंडवत हो गए, फिर तुरंत ही उठकर चले गए।

भाजपा विधायक अजय विश्नोई ने भी उस समय मऊगंज विधायक पटेल के शराब माफिया वाले बयान का समर्थन करते हुए एक्स पर लिखा था कि पूरी सरकार ही शराब ठेकेदारों के आगे दंडवत है।सरकार कर रही रीजनल कॉन्क्लेव से निवेश बढ़ाने का प्रयास

मप्र सरकार संभागवार निवेश लाने का सतत प्रयास कर रही है। इस दिशा में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की पहल पर ग्वालियर में रीजनल इंडस्ट्रियल कॉन्क्लेव (आरआईसी) भी कराया गया था। 28 अगस्त 2024 को ग्वालियर में हुए कॉन्क्लेव में आठ हजार करोड़ के निवेश प्रस्ताव और 35 हजार रोजगार सृजन का दावा किया गया।

खास दुकान से यूनिफॉर्म, कॉपी-किताब खरीदने को किया मजबूर, तो एमपी में स्कूल पर होगा एक्शन

भोपाल- निजी स्कूलों ने शुल्क ढांचे (फीस स्ट्रक्चर) में मनमानी की या यूनिफॉर्म, कॉपी-किताब को किसी विशेष दुकान से खरीदने का दबाव बनाया तो उन पर कार्रवाई हो सकती है। स्कूल शिक्षा विभाग ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिया।

स्कूलों को 31 मार्च तक अपना फीस स्ट्रक्चर और कोर्स की जानकारी सार्वजनिक करने को कहा गया है, ताकि पेरेंट्स को इसकी जानकारी हो जाए। भोपाल के अधिकांश निजी स्कूलों द्वारा किताबों की सूची और फीस की जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई है। इसके साथ ही स्कूलों द्वारा निश्चित दुकानों से कॉपी-किताबें व यूनिफॉर्म खरीदने का दबाव बनाया जाने लगा है।नईदुनिया में निजी स्कूलों की इस मनमानी पर रिपोर्ट प्रकाशित होने के बाद स्कूल शिक्षा विभाग ने कॉपी-किताब व ड्रेस खरीदने का दबाव बनाने पर कार्रवाई करने का आदेश जारी किया है।

संयुक्त संचालक अरविंद चौरगड़े की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि नया शिक्षा सत्र शुरू होने से पहले निजी स्कूल लेखक एवं प्रकाशक के नाम और मूल्य के साथ कक्षावार पुस्तकों की सूची विद्यालय में प्रदर्शित करें।

ऐसी सूची मांगने पर उपलब्ध कराई जाए, ताकि विद्यार्थी या अभिभावक इनको खुले बाजार से भी खरीद सकें। प्रत्येक स्कूल प्रबंधक, प्राचार्य स्कूल में हर कक्षा की पाठ्यपुस्तकों और प्रकाशकों की जानकारी को डीईओ की वेबसाइट पर अनिवार्य अपलोड करें।

किसी भी प्रकार की शिक्षण सामग्री पर स्कूल का नाम अंकित नहीं होना चाहिए। स्कूल के सूचना पटल पर यह भी अंकित किया जाए कि अभिभावक किसी दुकान विशेष से खरीदने के लिए बाध्य नहीं हैं।डीईओ पर निगरानी की जिम्मेदारी

आदेश में जिला शिक्षा अधिकारी को निगरानी और आदेश लागू करने की जिम्मेदारी दी गई है। कहा गया है कि डीईओ सुनिश्चित करें कि जिले के सीबीएसई, आईसीएसई, एमपी बोर्ड समेत सभी प्री प्राइमरी से लेकर 12वीं तक स्कूल में संचालित की जाने वाली किताबों, कॉपियों व यूनिफॉर्म की सूची 31 मार्च तक विद्यालय के सूचना पटल पर लग जाएं।एनसीईआरटी की

रीवा में खनन से हो रहे प्रदूषण को लेकर जवाब तलब, वन विभाग के पीएस समेत अन्य को नोटिस

जबलपुर। रीवा में खनन गतिविधियों के कारण होने वाले प्रदूषण और पर्यावरणीय नुकसान को लेकर राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) में जनहित याचिका दायर की गई है। मामले पर प्रारंभिक सुनवाई के बाद जस्टिस शिव कुमार सिंह व एक्सपर्ट मेंबर डॉ. अफरोज अहमद की युगलपीठ ने मुख्य सचिव, पर्यावरण एवं वन विभाग के प्रमुख सचिव, केंद्रीय एवं राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल, कलेक्टर और अन्य को नोटिस जारी कर जवाब पेश करने के निर्देश दिए हैं। रीवा निवासी अनूप सिंह की ओर से अधिवक्ता अमित सिंह सेंगर ने पक्ष रखा। उन्होंने बताया कि अल्ट्राटेक कंपनी के प्रोजेक्ट संचालन के लिए करीब 600 एकड़ क्षेत्र में खनन का काम किया जा रहा है। याचिका में उठाए गए मुख्य मुद्देग्रीन बेल्ट का अभाव- नियमानुसार 33त्न क्षेत्र ग्रीन बेल्ट एरिया के रूप में विकसित किया जाना चाहिए, जोकि नहीं किया गया।

डस्ट कंट्रोल का अभाव- स्प्रिंकल से छिड़काव नहीं किया जाता, जिससे आसपास के मकान, स्कूल, कृषि क्षेत्र और जलस्रोत प्रभावित हो रहे हैं।

भूजल प्रदूषण- खनन के कारण भूजल प्रदूषित हो चुका है।

पर्यावरणीय पुनर्स्थापन निधि का दुरुपयोग- नियमानुसार कुल लाभ का कुछ प्रतिशत पर्यावरणीय पुनर्स्थापन के लिए खर्च किया जाना चाहिए, जिसमें स्कूल, स्वास्थ्य, मेडिकल सुविधाएं, जल शोधन, डस्ट कंट्रोल आदि शामिल हैं, लेकिन ऐसा नहीं किया जा रहा।

नए प्रोजेक्ट की योजना- कंपनी द्वारा नया प्रोजेक्ट भी लाया जा रहा है, जिससे पर्यावरणीय नुकसान बढ़ने की आशंका है।याचिका में की गई मांग

पर्यावरणीय नुकसान का आकलन करने के लिए एक्सपर्ट कमेटी का गठन किया जाए। सुनवाई के बाद न्यायालय ने संबंधित विभागों को नोटिस जारी कर जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इंदौर में 18वीं अखिल भारतीय पुलिस निशानेबाजी (खेल) चैम्पियनशिप-2024 का किया शुभारंभ

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इंदौर में निशानेबाजों की खोज के लिए कार्यक्रम प्रारंभ करने की घोषणा की

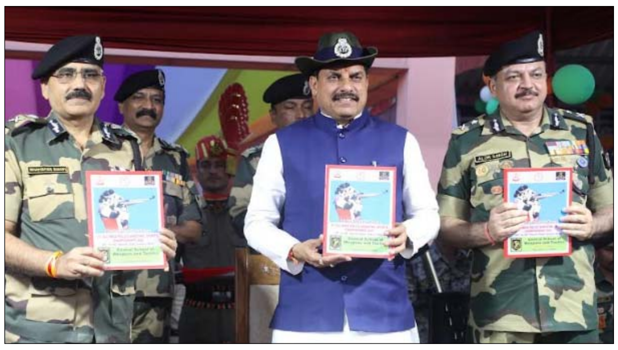

इन्दौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आज इंदौर के रेवती रेंज में 18वीं अखिल भारतीय पुलिस निशानेबाजी (खेल) चैम्पियनशिप-2024 का शुभारंभ किया। यह प्रतियोगिता केंद्रीय आयुध एवं युद्ध कौशल विद्यालय (सीएसडब्ल्युटी) सीसुबल, इंदौर द्वारा आयोजित की जा रही है, जो 24 से 29 मार्च 2025 चलेगी। शुभारंभ अवसर पर जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव सहित अन्य प्रतिनिधि तथा कमिश्नर इंदौर श्री दीपक सिंह, पुलिस आयुक्त श्री संतोष कुमार सिंह, कलेक्टर श्री आशीष सिंह, महानिरीक्षक सीएसडब्ल्यूटी एवं एसटीसी बीएसएफ श्री आलोक कुमार सिंह सहित अन्य अधिकारीगण मौजूद थे।

कार्यक्रम के प्रारंभ में डॉ. शमशेर सिंह, भा.पु.से., अपर महानिदेशक/निदेशक सीसुबल अकादमी टेकनपुर ने मुख्य अतिथि के रूप में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का स्वागत किया। उद्घाटन समारोह में बीएसएफ और पुलिस ब्रास बैंड द्वारा बजाए गए लयबद्ध मार्चिंग धुनों पर केंद्रीय पुलिस संगठनों और विभिन्न राज्य पुलिस टीमों द्वारा स्मार्ट और साफ-सुथरे मार्च पास्ट, बीएसएफ बोल्ड्स टीम द्वारा वेपन से ड्रिल/करतब का प्रदर्शन और एनटीसीडी (राष्ट्रीय श्वान प्रशिक्षण केंद्र), टेकनपुर के श्वानों द्वारा सुरक्षा कर्तव्यों का पालन करते हुए विशेष रूप से भारतीय नस्लों के कुत्तों की शक्ति का शानदार प्रदर्शन किया गया। मुख्य अतिथि ने परेड की सलामी ली और गुब्बारे और खुले आसमान में कबूतर भी छोड़े तथा औपचारिक रूप से कार्यक्रम की शुरुआत की घोषणा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर एक स्मारिका का विमोचन भी किया।

डॉ. यादव ने कहा ÷मैं इस कार्यकम के आयोजन के लिए बीएसएफ के टीम को बधाई देता हूँ और उनकी सफलता की कामना करता हूँ। आज इंदौर के रेवती रेंज में सिविल प्रशासन, पुलिस, शीर्ष औद्योगिक संगठन के प्रमुख, बल के जवानों, परिवारों और प्रतिष्ठित नागरिकों सहित बड़ी संख्या में कर्मियों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इस अवसर पर कहा कि मध्य प्रदेश खेलों के क्षेत्र में तेज़ी से उभर कर सामने आ रहा है। भविष्य में हमारा प्रदेश खेलों की राजधानी बनेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इंदौर में निशानेबाजों की खोज के लिए कार्यक्रम प्रारंभ करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि प्रशासन और बीएसएफ के समन्वय से निशानेबाजों की खोज की जाएगी और उन्हें रेवती रेंज में प्रशिक्षण भी दिलाया जाएगा।

रेवती रेंज में आयोजित इस वार्षिक चैम्पियनशिप खेल प्रतियोगिता में देश भर के केन्द्रीय शस्त्र पुलिस बल, राज्य एवं केंद्र शासित प्रदेशों के पुलिस बलों के कार्मिक भाग ले रहे हैं। यह पिछले 5 वर्षों में आयोजित नहीं किया जा सका था एवं आखिरी बार 2019 में पुणे, महाराष्ट्र में आयोजित किया गया था। यह 24 से 29 मार्च 2025 तक इंदौर के रेवती रेंज में आयोजित किया जा रहा है।

प्रतिबंधात्मक आदेशों के प्रभावी पालन कराने के लिये कलेक्टर ने किये दल गठित

इंदौर। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री आशीष सिंह ने इंदौर जिले में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा-163 के तहत जारी प्रतिबंधात्मक आदेशों के प्रभावी परिपालन व अन्य नियमों/अधिनियमों के जैसे बाल श्रम की रोकथाम, आबकारी एक्ट, ध्वनि प्रदूषण नियंत्रण अधिनियम, गुमाश्ता एक्ट, खाद्य अपमिश्रण, समय से पब/बार आदि संस्थान बंद कराये जाने आदि के उपबन्धों को प्रभावी रूप से लागू कराने, आकस्मिक निरीक्षण व वैधानिक कार्यवाही के लिये एसडीएम के नेतृत्व में दल गठित किये हैं। सबंधित एसडीएम दल के साथ आकस्मिक निरीक्षण के दौरान जाँच करेंगे तथा अनियमितता पाई जाने पर जाने पर वैधानिक कार्यवाही सुनिश्चित करेंगे। जारी आदेशानुसार समस्त अनुविभागीय दण्डाधिकारी (एसडीएम) अपने-अपने अनुभाग अंतर्गत आने वाले थानों के सक्षम प्राधिकारी होंगे । दल में खाद्य सुरक्षा अधिकारी, संबंधित थाने के प्रभारी, मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारी सहित अन्य संबंधित अधिकारी शामिल रहेंगे। समस्त अनुविभागीय दण्डाधिकारी ध्वनि प्रदूषण व अन्य विषयों के संबंध में शिकायतों का निराकरण करेंगे। साथ ही यह भी सुनिश्चित करेंगे कि वे अपने अनुभाग क्षेत्र अंतर्गत अवैध शराब का ऋय-विक्रय न हो। अपने स्तर पर क्षेत्रानुसार आबकारी अधिकारी से समन्वय स्थापित करते हुए नियमित रूप से जांच करना भी सुनिश्चित करेंगे। इसी तरह अन्य विभागों से संबंधित मामलों में संबंधित विभाग के अधिकारी/निरीक्षकों से समन्वय कर सक्षम कार्यवाही करना सुनिश्चित करेंगे।

धूमधाम से मनाया जायेगा प्रदेश में गुढ़ी पड़वा का पर्व - मुख्यमंत्री डॉ. यादव

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आज अपने इंदौर प्रवास के दौरान एयरपोर्ट पर पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि मध्यप्रदेश सरकार विरासत से विकास के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के सपने को साकार कर रही है। हमारी सभी प्राचीन परंपराओं को निभाते हुए विकास के नए-नए कीर्तिमान के संकल्प के साथ आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि आज विधानसभा सत्र का समापन हुआ, पहली बार सत्र भी पूरे समय चला और पहली बार आज तक का सबसे बड़ा विकास का बजट चार लाख 21 हजार करोड़ रूपये का बजट पारित भी हुआ। प्रदेश में कई सारी नई योजनाओं को लागू करने के लक्ष्य रखे गए हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आने वाले समय में गुड़ी पड़वा का पर्व धूमधाम से मनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि आज कैबिनेट के समय विक्रमादित्य काल के ध्वज का लोकार्पण किया गया। उन्होंने बताया कि हिंदू धर्म के सभी तीज त्यौहार तिथि परंपरा के अनुसार मनाये जाते हैं। काल गणना से भविष्य के त्योहारों की तिथियां निर्धारित की जाती हैं, जो शुद्ध होती है। तीज त्यौहारों के सूक्ष्म तिथि निर्धारण के लिये अवंतिका नगरी उज्जैन में समय गणना केन्द्र स्थापित है।

वीर सावरकर के व्यक्तित्व और कृतित्व को जन-जन तक पहुंचाया जाएगा : मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि स्वातंत्र्य वीर विनायक दामोदर सावरकर भारत के महान क्रांतिकारी, स्वतंत्रता सेनानी, चिन्तक, समाज सुधारक, इतिहासकार, कवि, ओजस्वी वक्ता तथा दूरदर्शी राजनेता थे। अपने कृतित्व से वे वीर सावरकर के नाम से लोकप्रिय हुए। उनके व्यक्तित्व और कृतित्व को जन-जन तक पहुंचाया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आज इंदौर के प्रगति नगर में स्वातंर्त्य वीर श्री विनायक दामोदर सावरकर जी की प्रतिमा का अनावरण किया। इस अवसर पर नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय, जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव, विधायक श्री मधु वर्मा, श्री रमेश मेंदोला, श्री गोलू शुक्ला, वीर सावरकर के पौत्र श्री रंजीत सावरकर, बाबा साहब नवाथे, श्री सुमित मिश्रा, श्री श्रवण चावड़ा सहित अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद थे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि वीर सावरकर जी को याद करते ही आनंद एवं रोमांच की अनुभूति होती है। उन्होंने अनेक कष्ट एवं प्रताड़ना सह कर देश को स्वतंत्रता दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनका जीवन आदर्श है। काला पानी जैसी सबसे कठिन सजा पाकर भी वे अपने लक्ष्य से पीछे नहीं हटे।

समय सीमा में प्रकरण निराकृत नहीं करने वाले 12 अधिकारी-कर्मचारियों के विरूद्ध कार्रवाई- सात पर लगाई गई पेनल्टी- पांच को शोकाज नोटिस

इंदौर में स्ट्रीट डॉग के नियंत्रण के लिये योजनाबद्ध रूप से चलेगा अभियान

इंदौर। कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने निर्देश दिए हैं कि इंदौर जिले में सीएम हेल्पलाइन तथा लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत दर्ज प्रकरणों का समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित किया जाये। किसी भी आवेदक को परेशानी का सामना नहीं करना पड़े। यथासंभव प्रकरणों का सकारात्मक निराकरण हो। प्रकरणों के निराकरण में लापरवाही और उदासीनता बर्दाश्त नहीं की जायेगी। लापरवाही पाये जाने पर कार्रवाई होगी। कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने आज सम्पन्न हुई बैठक में सीएम हेल्पलाइन तथा लोक सेवा गारंटी अधिनियम की समीक्षा में लापरवाही पाये जाने और समय सीमा में प्रकरण निराकृत नहीं करने पर 12 अधिकारियों और कर्मचारियों के विरूद्ध कार्रवाई की है। इनमें से पांच अधिकारियों को शोकाज नोटिस दिये गये है तथा 7 के विरूद्ध पेनल्टी लगाई गई है।

कलेक्टर श्री आशीष सिंह की अध्यक्षता में आज यहां समय सीमा के पत्रों की निराकरण (टीएल) की बैठक संपन्न हुई। बैठक में स्मार्ट सिटी के सीईओ श्री दिव्यांक सिंह, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सिद्धार्थ जैन, अपर कलेक्टर श्री गौरव बेनल तथा श्रीमती ज्योति शर्मा, श्री राजेंद्र रघुवंशी तथा श्रीमती निशा डामोर सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने राजस्व अधिकारियों से कहा कि सीएम हेल्पलाइन और लोक सेवा गारंटी अधिनियम के प्रकरणों के समय-सीमा में निराकरण को प्राथमिकता दी जाए। यह सुनिश्चित करें कि हर प्रकरण समय सीमा में निराकृत हो। समय सीमा में प्रकरण निराकृत नहीं होने पर अधीनस्थ अमलों के लिए वे स्वयं भी जिम्मेदार रहेंगे।

बैठक में कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने कहा कि इंदौर में स्ट्रीट डॉग की समस्या को देखते हुए नियंत्रण की अत्यंत आवश्यकता है। इसको देखते हुए भिक्षावृत्ति मुक्त इंदौर अभियान की तर्ज पर स्ट्रीट डॉग नियंत्रण के लिये योजनाबद्ध रूप से अभियान चलाया जायेगा। यह अभियान नगर निगम और पशुपालन तथा पशु चिकित्सा विभाग तथा अन्य संबंधित संस्थाओं के सहयोग से संचालित होगा। इसके लिये विस्तृत कार्ययोजना बनाकर स्ट्रीट डॉग की नियंत्रण की कार्रवाई की जायेगी। अभियान के तहत स्ट्रीट डॉग की नसबंदी करने सहित नियंत्रण के अन्य उपाय भी किये जायेंगे। उन्होंने कहा कि यह अभियान छ÷ माह का रहेगा और इसमें स्ट्रीट डॉग के नियंत्रण की प्रभावी कार्रवाई होगी।

शासकीय दृष्टि एवं श्रवणबाधितार्थ उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में प्रवेश की प्रक्रिया प्रारंभ

इंदौर। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा संचालित शासकीय दृष्टि एवं दृष्टि एवं श्रवणबाधितार्थ उच्चतर माध्यमिक विद्यालय दिव्यांगजन आवासीय परिसर, संस्कृति रायल सिटी रोड़ तालाब के सामने राऊ में प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ हो गयी है। इस संस्थान में शारीरिक दिव्यांग बालकों को जो 06 वर्ष एवं अधिक आयु समुह के हो उन्हें नियमानुसार कक्षा 01ली से कक्षा 12वीं में शिक्षण हेतु प्रवेश दिया जायेगा। सत्र 2025-26 हेतु प्रवेश प्रारंभ हो गया है।

प्रवेश के लिए आवेदन के साथ शैक्षणिक योग्यता, अंतिम उत्तीर्ण कक्षा की अंकसूची की छायाप्रति, आय प्रमाण पत्र (तहसीलदार द्वारा जारी), दिव्यांगता का प्रमाण पत्र (कम से कम 40 प्रतिशत दिव्यांगता होना आवश्यक है), दिव्यांगता दर्शाते हुए 06 फोटो, मध्यप्रदेश के मूल निवासी का प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र (डिजिटल), आधार कार्ड, समग्र सामाजिक सुरक्षा आई.डी. , यू.डी.आय.डी., बैंक खाता आधार से लिंक किया हुआ और जन्म प्रमाण पत्र आदि की छायाप्रति लगाना होंगी। इस संस्थान में इन्दौर नगर निगम सीमा से बाहर निवास करने वाले बालकों को प्रवेश पश्चात छात्रावास की सुविधा उपलब्ध करवाई जाती है। बालक दैनिक दिनचर्या एवं नित्यकर्म (स्वयं रोजमर्रा के कार्य) करने में सक्षम होना चाहिए एवं किसी संक्रामक रोग से पीड़ित न हो।

वर्ल्ड ओरल हेल्थ दिवस के उपलक्ष्य में इंदौर जिले में आयोजित की जा रही हैं विभिन्न गतिविधिया

इंदौर। इंदौर जिले में वर्ल्ड ओरल हेल्थ दिवस के उपलक्ष्य पर 30 मार्च 2025 तक विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बी. एस. सैत्या, सिविल सर्जन डॉ. जी. एल. सोढ़ी के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में जिला चिकित्सालय इंदौर में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन जनजागृति हेतु किया जा रहा है। इस अवसर पर जिला चिकित्सालय में कार्यरत दंत चिकित्सकों ने मुँह के स्वास्थ्य के देखभाल हेतु परामर्श एवं सलाह दी, जिनका पालन करके आमजन मुँह के स्वास्थ्य की देखभाल कर सकते हैं। यदि मुँह के स्वास्थ्य की देखभाल ठीक ढंग से न की जाए, तो हृदय रोग होने की संभावना बनी रहती है।

सबसे आम मौखिक रोग दांतों की सड़न और पायरिया हैं, दोनों ही मौखिक स्वच्छता को बनाए न रखने के कारण होते हैं। दांतों की सड़न और पायरिया मुख्य रूप से बैक्टीरिया के कारण होते हैं। कार्बोहाइड्रेट की उपस्थिति में बैक्टीरिया एसिड का उत्पादन करते हैं, जो बदले में दांतों की सड़न का कारण बनता है।

पायरिया आस-पास के दांतों की संरचना जैसे मसूड़ों, जबड़े की हड्डी की बीमारी है जिसमें मसूड़ों में सूजन और खून आना, दांतों का हिलना आदि होता है।

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृग्धरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की लंबी उम्र के लिए किया पूजन अभिषेक

जीवन ही संघर्ष रहा ऐसे है हमारे मध्यप्रदेश के लोह पुरुष डॉ. मोहन यादव

उज्जैन। इंदिरा नगर वार्ड क्रमाक 5 के अध्यक्ष मंगेश श्रीवास्तव द्वारा इंद्रेश्वर महादेव मंदिर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के जन्मदिवस के अवसर पर उनकी लंबी उम्र के लिए पूजन अभिषेक किया गया। वहीं उज्जैन आगमन पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का पुष्पमालाओं से स्वागत अभिनंदन किया।

इंदिरा नगर वार्ड क्रमाक 5 के अध्यक्ष मंगेश श्रीवास्तव ने कहा कि डॉ. मोहन यादव ने अपना डेढ़ वर्ष का कार्यकाल एक सफल मुख्यमंत्री के रूप साबित किया है। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ में सालों से देश के कई राज्यों में सेवक के रूप में में अपनी जिम्मेदारी विभिन्न रूप में निभाते आए है। प्रदेश का मुख्यमंत्री बनना उनकी काबिलियत और उनके कार्यों के प्रति विजन को भी स्पष्ट करता है। मंगेश श्रीवास्तव ने कहा कि संघठन कई वर्षों से मोहन यादव के कार्यों पर नजर रखे हुए थे। उनकी प्रदेश में शिक्षा मंत्री के रूप में जिस तरह से पारी रही है। शिक्षित और युवा वर्ग में काफी गहरी पेठ बनाई है। धार्मिक नगरी उज्जैनी में एक अखाड़े के पहलवान के साथ सनातन धर्म की संस्कृति से ओत प्रोत चेहरा आज प्रदेश का बड़ा चेहरा बनकर पूरे देश में चमक रहा है। मोहन यादव युवा मुख्यमंत्री होने के साथ सबको साथ लेकर चलने वाली सोच के कारण वे सबके प्रिय भी बने हुए है। प्रदेश के बेहतर विकास के साथ अपनी पार्टी की नीति और रणनीति को साथ लेकर चलने वाले मुख्यमंत्री है। यदि आज देश के बड़े राजनीतिक दृश्य में देखा जाए, तो वे लगातार प्रदेश को समृद्धि और विकास के रास्ते पर सबसे अग्रणी है। इसी वजह से भविष्य के प्रधानमंत्री के रूप में भी उन्हें जनता देखना चाहेगी। मुख्यमंत्री के स्वागत के दौरान प्रियांश श्रीवास्तव भी मौजूद रहे।

शराबबंदी करने पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का नाम स्वर्ण अक्षरों में लिखा जाएगा

मंगेश श्रीवास्तव ने कहा कि धार्मिक स्थलों पर शराब विक्रय को पूर्ण प्रतिबंध लगाने वाले मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का नाम इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में लिखा जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्णय से शहर में धार्मिक वातावरण निर्मित होगा साथ ही शराब बंदी से उज्जैन नगरी को धार्मिक नगरी मान्यता मिलेगी। बाबा महाकाल की कृपा से पूरे शहर में धार्मिक वातावरण निर्मित है और शराब बंदी के निर्णय से हम सब उत्साह और उमंग से भरे हुए हैं सनातन धर्म की रक्षा तथा लोगों में धार्मिक भावना का जागरण होगा। मंगेश श्रीवास्तव के अनुसार इस

जूना अखाड़े के नए सचिव का उज्जैन आगमन पर किया अभिनंदन

साधु संतों ने अघोर काली मंदिर पर माता की आरती कर आशीर्वाद लिया

उज्जैन। बड़ा पुल स्थित श्री पंच दस नाम जूना अखाड़ा के श्री श्री 1008 जगातगुरु पंचानन्द गिरी महाराज कामाख्या तंत्र पीठ आश्रम पर जून अखाड़े की नई कार्यकारिणी के बने चार सचिव का उज्जैन आगमन पर भव्य स्वागत किया गया।

जूना अखाड़ा के कामाख्या पुत्र हिमालय गिरी महाराज ने जानकारी देते हुए बताया कि जूना अखाड़ा के साधु संतों ने आश्रम पर अघोर काली मंदिर में पूजा अर्चना किया और आशीर्वाद लिया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से जून अखाड़े के राष्ट्रीय मंत्री सहदेवानंद गिरी महाराज उपस्थित थे। जून अखाड़ा के नए चार सचिव बनाए गए हैं। जो आने वाले 2028 सिंहस्थ महाकुंभ मे साधु संतों के लिए काम करेंगे। नए बनाए गए पदाधिकारियों का उज्जैन आगमन पर कामाख्या तंत्र पीठ आश्रम द्वारा भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर साधु-संतों ने उनका उन्हें आशीर्वाद दिया। जून अखाड़े की नई कार्यकारिणी में सचिव के रूप में नीलगंगा जूना अखाड़ा के परमानंद गिरि महाराज, सेक्रेटरी आकाश गिरी महाराज, सेक्रेटरी शुक्र इंद्र भारती, कामाख्या की सेक्रेटरी सोमानंद गिरी और अन्य पदाधिकारी शामिल हैं। कार्यक्रम के अंत में साधु संतों ने शिप्रा नदी एवं आश्रम के आसपास का निरीक्षण किया और सिंहस्थ महाकुंभ में बड़ी संख्या में आने वाले श्रद्धालुओं की व्यवस्थाओं को देखते हुए चर्चा की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी गई और उन्हें आशीर्वाद दिया गया कि उनकी लंबी उम्र हो और महाकाल उनकी रक्षा करें।

नीम का अद्भुत औषधि का प्रयोग गुड़ी पड़वा पर्व से शुरुआत करने से होगा त्वचा रोग दूर

उज्जैन। नववर्ष की शुरुआत पर गुड़ी पड़वा पर्व पर नीम के पत्तों का प्रयोग कर चर्मरोग दूर करे। चैत्र नवरात्रि में अनादि काल से यह मान्यता है, आयुर्वेदाचार्य ने संहिता ग्रंथ में यह वर्णित किया है कि गुड़ी पड़वा पर्व पर 15 दिन तक नीम का प्रयोग काली मिर्च व मिश्री के साथ मिलाकर करने से सालभर त्वचा रोग उत्पन्न नहीं होते।

नीम और पीपल ही ऐसे वृक्ष हैं, जो 100 प्रतिशत आक्सीजन इस संसार को प्रदान कर रहे हैं।आयुर्वेद ग्रंथों में नीम को अनेक नामों से संबोधित किया है जैसे अरिष्क, पीचुमर्द, हींगुनिर्यास। नीम के अन्दर जरा को रोकने की अद्भुत क्षमता है, इसमें कई सारे एन्टी औक्सिडेंट पाये जाते हैं जिनमें चर्म रोगों व त्वचागत विकारों में यह लाभदायक सिद्ध होता है।

विक्रम विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों का अडानी फाउंडेशन की औद्योगिक यात्रा के लिए प्रस्थान

उज्जैन। विक्रम विश्वविद्यालय के इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज (आईआईपीएस) के एमबीए विभाग के 56 विद्यार्थियों का समूह अडानी फाउंडेशन के हजीरा पोर्ट सूरत के लिए औद्योगिक यात्रा पर रवाना हुआ। यह यात्रा विद्यार्थियों को उद्योग जगत की वास्तविकता से अवगत कराने के उद्देश्य से आयोजित की गई थी।

विद्यार्थियों को यात्रा पर भेजने से पहले विक्रम विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रोफेसर अर्पण भारद्वाज ने उन्हें मार्गदर्शन प्रदान किया। कुलगुरु ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दी और हरी झंडी दिखाकर उन्हें औद्योगिक यात्रा के लिए रवाना किया।

इस अवसर पर विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. एस.के. मिश्रा ने विद्यार्थियों, टीम समन्वयक डॉ. टीना यादव और सुनील मालवीय को शुभकामनाएं दी। साथ ही प्रोफेसर उमा शर्मा, प्रोफेसर डी.एम. कुमावत, प्रोफेसर संदीप तिवारी, प्रोफेसर पुष्पेंद्र तिवारी, डॉ. निधि चौहान, डॉ. छाया आर्य, डॉ. नेहा वर्मा और जितेंद्र चौहान भी इस कार्यक्रम में मौजूद थे।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अंकितग्राम, सेवाधाम आश्रम के दिव्यांग बच्चों के साथ जन्मदिन मनाया

सेवाधाम संवेदना, सहयोग, समर्पण, प्रेम और सेवा का मंदिर है- डॉ. मोहन यादव

उज्जैन। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने 25 मार्च 2025 को अंकितग्राम, सेवाधाम आश्रम पहुंचकर आश्रम के दिव्यांग बच्चों के साथ जन्मदिवस मनाया। आश्रम के महर्षि दयानन्द मुख्य द्वारा पर विशेष बच्चों ने महाकाल गाथा की सांस्कृतिक प्रस्तुति दी, मुख्यमंत्री डॉ यादव ने बच्चों को इस अवसर पर उपहार दिए और बच्चों के बीच केक काटा, बच्चों ने भी मुख्यमंत्री डॉ यादव को जन्म दिवस की शुभकामनाएं दी।

मुख्यमंत्री डॉ यादव के द्वारा सेवाधाम आश्रम पहुंचकर सर्वप्रथम यहां निवासरत विशेष बच्चों से भेंट की एवं फिजियोथैरेपी सेंटर और माँ शारदा बालिका गृह का अवलोकन किया। कार्यक्रम में स्वागत भाषण सुधीर भाई गोयल संस्थापक अंकितग्राम, सेवाधाम आश्रम ने आश्रम की गतिविधियों की जानकारी प्रदान की। डॉ. मोहन यादव ने सत्यांश सेवा भूमि का भी अवलोकन किया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अपने उद्बोधन में कहा कि अंकितग्राम, सेवाधाम आश्रम एक यज्ञ स्थल है, यहां पर प्रतिदिन समाज सेवा के रूप में आहुतियां दी जाती हैं। मैं शुरू से यहां समय-समय पर आता रहा हूं, अंबोदिया पंचक्रोशी यात्रा का पड़ाव स्थल भी है। सेवाधाम संवेदना, सहयोग, समर्पण, प्रेम और सेवा का मंदिर है। मैरे जन्मदिवस पर माँ करुणालय भवन का शिलान्यास कर रहा हूं शासन की ओर से हर संभव सहायता प्रदान की जाएगी।

इस अवसर पर अंकित ग्राम सतगुरु ग्रामीण पर्यटन केंद्र का भी शिलान्यास किया गया। कार्यक्रम में संस्थाध्यक्ष डॉ. ॠषि भटनागर, संस्थापक सुधीर भाई गोयल, राधेश्याम शर्मा 'गुरुजी', पवन सिंघानिया, अशोक जोशी, ताराचंद अग्रवाल, पारसमल कटारिया, श्रीमती कांता भाभी, मोनिका दीदी, गोरी दीदी, डॉ. सचिन गोयल, श्रीमती अनिता गोयल, प्रवेश सिंघल सहित अतिथियों ने मध्यप्रदेश के लोह पुरूष डा. मोहन यादव को सम्राट विक्रमादित्य सेवाधाम राष्ट्रीय गौरव सम्मान से सम्मानित किया। कार्यक्रम में प्रभारी मंत्री गौतम टेटवाल, सतीश मालवीय विधायक घट्टिया, मैहूल संघवी, इन्दौर, कलेक्टर नीरज कुमार सिंह, पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा, ईश्वर पटेल, वरिष्ठ समाजसेवी, उज्जैन, सत्येन्द्र कटियार, उज्जैन, अम्बोदिया सरपंच श्रीमती पूजा महेन्द्र छाड़िया सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे।

पुष्करणा ब्राह्मण समाज के होली मिलन समारोह में हुई प्रतियोगिताएं

उज्जैन। पुष्करणा ब्राह्मण परमार्थिक न्यास द्वारा पुष्करणा भवन स्थल पर होली मिलन समारोह आयोजित किया गया। न्यास के ट्रस्टी सुनील व्यास ने बताया कि नरसिंह घाट रोड पर मालवांचल का होली मिलन समारोह आयोजित किया गया। जिसमें मालवांचल से पधारे हुए सभी अतिथियों का एवं संरक्षक मंडल का न्यास के अध्यक्ष सत्यनारायण व्यास ने सभी को ऊपरना भेंट कर स्वागत किया। सभी न्यासजनों ट्रस्टी जमुना दास पनिया, रवि प्रकाश पुरोहित, जुगल केवलिया, अजय केवलिया, अभिषेक व्यास, राजेश जोशी ने स्वागत किया। इस अवसर पर संरक्षक मंडल से घनश्याम दास केवलिया, सुखदेव व्यास, वल्लभ पणिया, नंदकिशोर व्यास, बालकिशन उपाध्याय, जयशंकर पुरोहित, नंदकिशोर केवलिया, राजेंद्र पुरोहित आदि उपस्थित थे। इस अवसर पर खेलकूद टीम द्वारा विभिन्न आयु वर्ग के लिए विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित कर उन्हें पुरस्कृत किया। इस टीम में मीना पुरोहित, मेघा व्यास, तृप्ति केवलिया, पूरवा, मनीषा, तृप्ति व्यास, अक्षय केवलिया आदि थे। विभिन्न प्रतियोगिताओं में पुरस्कार वितरण समाज के डॉ. मनिंद्र व्यास, अरूण केवलिया, अभिलाष व्यास, विष्णु पुरोहित, गोपाल पुरोहित, रितेश पणिया, आशीष केवलिया आदि।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com